सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 328 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 11 सितंबर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

मंत्री खुशवंत साहब के भाई ढाल दास ने थामा कांग्रेस का हाथ

रायपुर। सतनामी समाज के प्रमुख धर्मगुरु गुरु बालदास के बड़े पुत्र एवं मंत्री खुशवंत साहब के बड़े भाई ढाल दास ने कांग्रेस पार्टी का दामन थाम लिया है। पूर्व सीएम के रायपुर निवास में आयोजित कार्यक्रम में भूपेश बघेल ने कांग्रेस में शामिल होने पर पार्टी का गमछा पहनाकर ढाल दास का स्वागत किया। उनके कांग्रेस प्रवेश से प्रदेश की सियासत में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। ढाल दास के कांग्रेस में शामिल होने को राजनीतिक तौर पर महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। उनके परिवार की सामाजिक और राजनीतिक पृष्ठभूमि को देखते हुए कांग्रेस में उनका प्रवेश पार्टी के लिए भी अहम माना जा रहा है।

सागर जहरीली शराब कांड का आरोपी मुठभेड़ में घायल

सागर। बंडा में जहरीली शराब कांड में कई लोगों की मौत हो गई। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों की धरपकड़ शुरू की। बड़ी कार्रवाई करते हुए इस कांड के मुख्य आरोपी रवि लखेरा को शॉर्ट एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार किया गया है। कार्रवाई के दौरान आरोपी के पैर में गोली लगी है। इसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी रवि लखेरा लगातार फरार चल रहा था। पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। शुक्रवार तड़के मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने बरायठा के जंगल में स्थित हनुमान टोंग मंदिर के आसपास घेराबंदी की। पुलिस का कहना है कि खुद को घिरता देख आरोपी रवि लखेरा ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में पुलिस ने आत्मरक्षा में फायरिंग की, जिसमें गोली लगने से आरोपी घायल हो गया और पुलिस ने उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया।

कुगदा गेट रोड अंडर ब्रिज 15 सितंबर तक बंद

भिलाई। कुम्हारी-ए केबिन एवं सी-केबिन स्टेशनों के मध्य हावड़ा-मुंबई मुख्य रेलमार्ग पर कुगदा गेट किमी 842 पर स्थित रोड अंडर ब्रिज के एप्रोच हिस्से में कवर्ड शेड निर्माण कार्य किया जा रहा है। इसके लिए 10 सितंबर 2026 तक भारी वाहनों को प्रतिबंधित किया गया था। अब इसे एक्सटेंशन करते हुए 15 सितंबर तक आवागमन अस्थायी रूप से परिवर्तित किया रहेगा।

छत्तीसगढ़ के आयुष का इंडिया ए टीम में चयन, आस्ट्रेलिया ए के विरुद्ध खेलेगें मल्टी डे मैच

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रणजी खिलाडी तथा बांये हाथ के सलामी बल्लेबाज आयुष पांडेय का चयन भारतीय ए टीम में किया गया है। आयुष आस्ट्रेलिया ए के विरुद्ध 22 सिंतबर 2026 से होने वाले चार दिवसीय मैचों की घरेलु सीरीज में भारतीय टिम का हिस्सा रहेगें।

इसके पूर्व भी जुन 2026 में श्रीलंका ए के विरुद्ध खेली गयी चार दिवसीय मैचों की श्रंखला में आयुष पांडे भारत ए टीम का हिस्सा थे। भारत ए टीम ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफपुडुचेरी में 22 सितंबर से 25 सितंबर व 29 सितंबर से 2 अक्टूबर तक दो चार दिवसीय मैच खेलेगी। रणजी ट्राफी के गत सीजन में आयुष पांडे ने छत्तीसगढ़ से खेलते हुये शानदार प्रदर्शन किया था।

उन्होने 7 मैचों में 13 इंनीग बल्लेबाजी करते हुये 57.30 की औसत से कुल 573 रन बनाये। जिसमें 2 शतक तथा 2 अर्धशतक सम्मिलित है। उन्होने मुंबई के विरुद्ध 183 रनों की शानदार पारी भी खेली थी। इसी आधार पर उनका चयन दुलिप ट्राफी में भी किया गया था, जिसमें उन्होनें 2 मैचों में 3 इंनिग खेलकर 53.92 की औसत से 102 रन बनाये थे।

इस प्रकार है भारत ए टीम

देवदत्त पडिक्कल (कप्तान), साई सुदर्शन (उपकप्तान), अमन मोखड़े, आयुष पांडे, यश राठौड़, शेख रशीद, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), एन जगदीशन (विकेटकीपर), शम्स मुलानी, तनुष कोटियान, तुषार देशपांडे, अंशुल कंबोज, प्रफुल्ल हिंगे, नचिकेत भुटे और वी वैश्यक।

आज से चार दिन बैंक बंद, पांच दिन काम की मांग को लेकर हड़ताल पर बैंक कर्मी

देशभर में बैंक कर्मियों की हड़ताल, छत्तीसगढ़ में भी दिखा असर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पांच दिन कामकाज की मांग को लेकर शुक्रवार को देशभर में सरकारी बैंक कर्मियों ने हड़ताल की। एक दिन की हड़ताल के कारण बैंकों का कामकाज चार दिन के लिए प्रभावित हो रहा है। दरअसल शुक्रवार को हड़ताल के कारण बैंक बंद रहे। इसके बाद माह का दूसरा शनिवार और उसके बाद रविवार की छुट्टी। 14 सितंबर को गणेश चतुर्थी और तीज के कारण छत्तीसगढ़ में सामान्य अवकाश है। इस प्रकार चार दिनों के लिए बैंकों का कामकाज पूरी तरह से ठप रहेगा। इस दौरान आम उपभोक्ताओं को बैंकिंग संबंधी कामकाज के लिए मंगलवार तक का इंतजार करना होगा।

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने शुक्रवारदेशव्यापी हड़ताल बुलाई है, जिससे बैंक का कामकाज प्रभावित हुआ। उनकी एक बड़ी मांग यह है कि बैंक हर शनिवार और रविवार को पूरी तरह से बंद रहे। यानी कि हफ्ते में सिर्फ 5 दिन ही वर्किंग हो। उनकी दूसरी मांग परफॉर्मेंस-लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम की समीक्षा कर विसंगतियों को दूर करना और पहले तय किए गए पेंशन सुधारों और कर्मचारियों के स्वास्थ्य बीमा से जुड़े प्रावधानों को तुरंत लागू करना है। यूनियनों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो 28 से 30 सितंबर तक 3 दिवसीय देशव्यापी हड़ताल की जाएगी और 26 अक्टूबर 2026 से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू हो सकती है।

छत्तीसगढ़ में दिखा बैंकों की हड़ताल का असर

एक दिन की हड़ताल का असर छत्तीसगढ़ में भी देखने को मिला। बैंकों की हड़ताल के बारे में आम लोगों को जानकारी नहीं थी जिसके कारण लोगों को दिक्कातों का सामना करना पड़ा। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर सहित दुर्ग भिलाई, बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़, बस्तर, सरगुजा तक बैंकों की हड़ताल का असर दिखा। भिलाई में सिविक सेंटर इंदिरा प्लेस के पास सभी बैंक कर्मी जुटे और हड़ताल में शामिल हुए। इस दौरान यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के पदाधिकारियों ने बैंक कर्मियों को अपने अधिकारों से अवगत कराया और आने वाले दिनों में अपनी मांगों को लेकर होने वाले हड़ताल के लिए तैयार रहने कहा। इस बीच लोगों के लिए डिजिटल भुगतान की सुविधा चालू रही।

नेपाल बाढ़ से 16 लाख लोग प्रभावित अब तक 1377 लोगों की हुई मौत

पुनर्निर्माण में लगेंगे 4.52 लाख करोड

काठमांडू। नेपाल में 26 अगस्त को आई भयानक बाढ़ ने इतनी बड़ी तबाही मचाई है कि अब टूटे घर, सड़कें और पुल फिर से बनाने में 4.52 लाख करोड़ भारतीय रुपए खर्च होने का अनुमान है। यह रकम नेपाल की जीडीपी 4.32 लाख करोड़ रुपए से भी ज्यादा है। बाढ़ से करीब 16 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। अब तक 1377 लोगों की मौत हो चुकी है और 5130 लोग लापता हैं। कुल अनुमानित खर्च का करीब 75 फीसदी यानी 2.96 लाख करोड़ सड़क, पुल, बिजली और दूसरी जरूरी सुविधाएं फिर से बनाने में लगेगा। बाढ़ में 7,570 घर, 48 सरकारी इमारतें, 18 स्कूल और 7 स्वास्थ्य केंद्र भी क्षतिग्रस्त हुए हैं।

अपर त्रिशूली-1 हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट में 545 लापता लोगों की तलाश के लिए प्रशिक्षित खोजी कुत्ते उतारे गए हैं। टीमें सुरंगों, हेडवर्क्स और मलबे में तलाश कर रही हैं। बाढ़ के समय प्रोजेक्ट में 1,433 लोग काम कर रहे थे। इनमें

878 बचा लिए गए, जबकि 545 लापता हैं। इनमें 9 दक्षिण कोरियाई, 34 चीनी और 50 भारतीय शामिल हैं।

भारत ने भेजी 130 टन से ज्यादा राहत सामग्री

नेपाल के राहत और बचाव अभियान में भारत लगातार मदद कर रहा है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, 26 अगस्त से अब तक आठ विशेष उड़ानों के जरिए नेपाल को 130 टन से ज्यादा राहत सामग्री भेजी गई है। भारत ने 54 विशेषज्ञों को भी नेपाल भेजा है। इनमें सुरंग और मलबे में फंसे लोगों को निकालने वाली टीमें, मेडिकल विशेषज्ञ और फोरेंसिक कर्मी शामिल हैं।

पेट्रोल-डीजल से भरे टैंकर में लगी भीषण आग, ड्राइवर हेल्पर ने कूदकर बचाई जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले के कटघोरा-अंबिकापुर राष्ट्रीय राजमार्ग-130 पर गुरुवार दोपहर 12 हजार लीटर ज्वलनशील पदार्थ से भरे टैंकर में भीषण आग लग गई। टैंकर में लगभग 4 हजार लीटर पेट्रोल और 8 हजार लीटर डीजल लोड था। गुरसियां के पास हुई इस दुर्घटना के समय चालक और परिचालक ने तुरंत वाहन से कूदकर अपनी जान बचाई। दोनों की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया।

मिली जानकारी के अनुसार टैंकर कोरबा से पेट्रोल और डीजल लेकर वाड्रफनगर जा रहा था। यात्रा के दौरान चालक दीपक कुमार गुरसियां के पास एक होटल में दोपहर का भोजन करने के लिए रुके थे। भोजन करने के बाद चालक जैसे ही टैंकर में बैठा और वाहन चालू करने के लिए

चाबी ऑन करके सेल्फ मारा, वैसे ही बैटरी से अचानक धुआं निकलने लगा। देखते-देखते धुएं के साथ तेज लपटें उठने लगीं और आग ने विकराल रूप ले लिया। सूचना मिलते ही बांगो थाना पुलिस और यातायात पुलिस का बल तुरंत मौके पर पहुंचा। टैंकर में बड़ी मात्रा में ज्वलनशील ईंधन होने के कारण भीषण विस्फोट की आशंका बनी हुई थी। अग्निशमन दल की मदद से आग पर काबू पा लिया गया है।

दक्षिण-मध्य छत्तीसगढ़ में दो दिन बारिश का अलर्ट

रायपुर। राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में चार दिन के सूखे के बाद गुरुवार शाम अच्छी बारिश हुई। बारिश से लोगों को उमस से राहत मिली। हालांकि, बारिश रुकने के बाद शहर में कई जगह जाम की स्थिति बन गई। मौसम विभाग के मुताबिक, आज (11 सितंबर) प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। कुछ जगहों पर भारी बारिश के साथ गरज-चमक और बिजली गिरने की भी आशंका है। अगले दो दिनों में बारिश की गतिविधियां और बढ़ेंगी। खासकर दक्षिण और मध्य छत्तीसगढ़ में इसका असर ज्यादा देखने को मिल सकता है।

मां की तलाश में जंगल में भटक रहा नन्हा गजराज, मिलाने की कोशिश में जुटा वन विभाग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। जिले के जंगलों में अपनी मां और हाथियों के दल के साथ विचरण कर रहा एक नन्हा हाथी बीते दो दिनों से अपने दल से बिछड़ गया है। करीब 2 से 3 साल का शावक अब अकेले ही अपनी मां की तलाश में जंगल में घूम रहा है। इसकी जानकारी मिलते ही वन विभाग और हाथी मित्र दल की टीमें शावक को उसकी मां और दल से मिलाने के प्रयास में जुट गई हैं। मामला धरमजयगढ़ वनमंडल के बोरो रेंज का है।

मिली जानकारी के मुताबिक धरमजयगढ़ वनमंडल के बोरो रेंज

अंतर्गत चाल्हा गांव के जंगलों में जशपुर जिले की ओर से आए 7 हाथियों का दल पहाड़ के ऊपर जंगल में विचरण कर रहा था। कुछ दिन पहले दल के 6 हाथी पहाड़ से उतरकर मैनपाट की ओर बढ़ गए, जबकि 2 से 3 साल का एक हाथी शावक पहाड़ के ऊपर ही दल से बिछड़ गया।

24 घंटे निगरानी कर रहा वन विभाग

सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर शावक की निगरानी शुरू कर दी। वन विभाग और हाथी मित्र दल की अलग-अलग टीमें उसकी 24 घंटे निगरानी कर रही हैं। शावक की देखरेख के साथ उसे भोजन भी कराया जा रहा है। गुरुवार शाम तक शावक राजस्व भूमि पर विचरण करता देखा गया। वन विभाग की टीम लगातार इस बात पर नजर बनाए हुए है कि शावक सुरक्षित रहे और उसे उसकी मां और दल से मिलाया जा सके।

6 साल की मासूम की दुष्कर्म के बाद हत्या दुर्ग कोर्ट ने दी आरोपी चाचा को फांसी की सजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में 6 साल की भतीजी से रेप और उसकी हत्या के दोषी सगे चाचा को कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है। करीब डेढ़ साल पहले आरोपी चाचा ने पहले भतीजी से रेप किया और फिर गला घोंट दिया। इसके बाद शव को पड़ोसी की कार की डिक्की में रख दिया। आरोपी की पड़ोसी से पुरानी रंजिश थी। वारदात के बाद आरोपी करीब 3 घंटे तक परिजनों और पुलिस के साथ बच्ची को ढूंढने का नाटक करता रहा। इस दौरान वह बार-बार कार के पास जाता और उस पर हाथ फेरता था। पुलिस को शक हुआ तो कार की डिक्की खोली गई। इसमें बच्ची मिली। बताया जाता है कि उस समय उसकी सांसें चल रही थीं।

उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शक के आधार पर चाचा को हिरासत में लेकर पूछताछ की। वह लगातार पुलिस को गुमराह करता रहा। सख्ती से पूछताछ करने पर उसने जुर्म कबूल कर लिया। शुरुआत में परिजनों ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए चाचा को फंसाने का आरोप लगाया था। इसके बाद

पुलिस ने साइंटिफिक जांच, डीएनए और गवाहों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। जांच में साबित हुआ कि बच्ची की हत्या और रेप का आरोपी उसका चाचा ही था। मामले की जांच के लिए 10 सदस्यीय स्ढ्ढञ्ज का गठन किया गया था। पुलिस की मजबूत जांच के चलते महज 17 महीने में कोर्ट ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए फांसी की सजा सुना दी। मामला मोहन नगर थाना क्षेत्र का है।

अप्रैल 2025 का मामला

यह पूरा मामला 6 अप्रैल 2025 का है। मोहन नगर थाना क्षेत्र में परिजनों ने 6 साल की मासूम के लापता होने की सूचना पुलिस को दी थी। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस और परिजन बच्ची की तलाश में जुट गए। इसी दौरान पुलिस को मासूम का शव उसके घर के बाहर खड़ी एक कार से बरामद हुआ। पुलिस ने बच्ची के शव का मेडिकल परीक्षण कराया, जिसमें दुष्कर्म की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने मामले में चाचा समेत 4 संदिग्धों का डीएनए टेस्ट कराया। जांच में मासूम बच्ची के चाचा सोमेश यादव का डीएनए मैच हुआ। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की, जिसमें उसने वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया।

सजा के साथ जुर्माना

न्यायालय ने आरोपी को मृत्युदंड की सजा सुनाने के साथ लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 की धारा 6(1) के तहत 5 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया। अर्थदंड जमा नहीं करने पर 1 वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। हत्या के मामले में भी न्यायालय ने 5 हजार रुपए का अर्थदंड लगाया है। अर्थदंड जमा नहीं करने पर 1 वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। वहीं बीएनएस की धारा 238 के तहत 1 हजार रुपए का अर्थदंड लगाया गया है। इसे जमा नहीं करने पर 1 माह के अतिरिक्त कारावास की सजा होगी। न्यायालय ने मृतका के परिजनों को राज्य सरकार की आहत प्रतिकर योजना के तहत 7 लाख रुपए की क्षतिपूर्ति राशि प्रदान किए जाने का भी निर्देश दिया है।

स्कूल के लिए निकले तीन बच्चे अचानक हुए लापता, पुलिस ने किया डोंगरगढ़ से सकुशल बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के थाना छावनी क्षेत्र से अचानक लापता हुए तीन नाबालिग स्कूली बच्चों को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 6 घंटे के भीतर डोंगरगढ़ से सकुशल बरामद कर लिया है। पुलिस ने देर रात लगभग ढाई बजे बच्चों को डोंगरगढ़ मंदिर परिसर के पास से ढूंढ निकाला और परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

पुलिस के मुताबिक घटना 10 सितंबर 2026 की है, जब तीन दर्शन मंदिर के पास महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल में अध्ययनरत एक नाबालिग छात्र के पिता ने रात करीब 8 बजे थाना छावनी पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि उनका पुत्र सुबह 11 बजे स्कूल के लिए निकला था, लेकिन घर वापस नहीं लौटा। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए छावनी पुलिस ने तत्काल विशेष पुलिस टीम ने स्कूल से लेकर पावर हाउस रेलवे स्टेशन तक के लगभग 20 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। सहपाठियों से पूछताछ और फुटेज के अवलोकन से बच्चों के रेलवे स्टेशन की ओर जाने और डोंगरगढ़ की तरफ निकलने का सुराग मिला। छावनी पुलिस ने बिना समय गंवाए डोंगरगढ़ रेलवे स्टेशन आरपीएफ एवं स्थानीय थाना पुलिस से संपर्क किया तलाशी अभियान के बाद तड़के 2:30 बजे तीनों बच्चों को डोंगरगढ़ मंदिर के पास सुरक्षित खोज लिया गया। आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद बच्चों को उनके परिजनों को सौंप दिया गया।

संपादकीय

पनीर का अर्थशास्त्र

सस्ते विकल्प की महंगी कीमत

एक समय देश में विशिष्ट खाद्य पदार्थ माने जाने वाले पनीर को लेकर आज गहराता अविश्वास चिंता की बात है। मुनाफे के लिये उपभोक्ता के विश्वास से खिलवाड़ का यह धंधा पूरे देश में खूब चल रहा है। दिल्ली में सामने आया नकली पनीर का मामला इसी कड़ी का एक हिस्सा है। निस्संदेह, ये मामले हमारी खाद्य सुरक्षा व्यवस्था की एक बड़ी कमजोरी को ही उजागर करते हैं। ये विडंबना ही है कि किसी उत्पाद की लागत, उसमें प्रयोग की जाने वाली वस्तुओं और ग्राहक को इस बाबत दी जाने वाली जानकारी में अकसर विरोधाभास पाया जाता है। देश में एनालॉग पनीर की धड़ल्ले से बिक्री के पीछे भी मुनाफे का प्रलोभन ही है। जिसमें वेजिटेबल फैट,स्टार्च, प्लांट प्रोटीन और गैर डेयरी उत्पादों को मिलाया जाता है। दरअसल, यह पनीर, असली दूध वाले पनीर की तुलना में काफी सस्ता होता है और उत्पादकों के मुनाफे को बढ़ाता है। जानकारों का अनुमान है कि कीमतों का यह अंतर चालीस से पचास फीसदी तक हो सकता है। ऐसे में जब रेस्टोरेंट,कैटरर और खाने-पीने के दूसरे कारोबार कम मुनाफे पर करते हैं तो महंगे पनीर के जगह सस्ता पनीर इस्तेमाल करने का लालच होना एक स्वाभाविक बात है। दरअसल, इसका मतलब यह कतई नहीं है कि हर एनालॉग प्रोडक्ट वास्तव में खाने की दृष्टि से असुरक्षित ही होता है। वास्तव में मुख्य समस्या धोखा देने की है। यदि किसी डेयरी पदार्थों से मुक्त विकल्प की पहचान स्पष्ट तौर पर एनालॉग पनीर के तौर पर की जाती है, तो ग्राहक सोच-समझकर उसको खरीदने के बारे में फैसला स्वतंत्र रूप से ले सकते हैं। लेकिन सबसे बड़ी बात इसको लेकर ईमानदारी न होना है। जब विक्रेता इसे दूध का पनीर बताकर बेचने लगते हैं तो उपभोक्ता निर्णय नहीं ले पाते। ऐसे में असली पनीर वाली पौष्टिकता उन्हें नहीं मिल पाती। निर्विवाद रूप से इस मामले में रेस्टोरेंट सबसे कमजोर कड़ी के रूप में सामने आते हैं। जिनका मुख्य मकसद अपने मुनाफे को प्राथमिकता देना ही होता है।

> “ देश के खाद्य पदार्थों का नियमन करने वाली संस्था एफएसएसएआई ने फूड-सर्विस देने वाले संस्थानों को स्पष्ट निर्देश दे रखे हैं कि वे यह सुनिश्चित करें कि पनीर वाली डिश में एनालॉग पनीर का इस्तेमाल ग्राहकों को सही जानकारी दिए बिना न किया जाए। इस विवाद के चलते देश के कई राज्यों ने कृत्रिम पनीर के खिलाफ सख्त कदम उठाए हैं।

वास्तव में जब भी कोई रेस्टोरेंट अपने किचन में एनालॉग पनीर आदि का इस्तेमाल करना शुरू करता है और उससे कोई व्यंजन बना लेता है तो ग्राहक नहीं समझ पाता है कि असली पनीर है या नकली पनीर है। देश के खाद्य पदार्थों का नियमन करने वाली संस्था एफएसएसएआई ने फूड-सर्विस देने वाले संस्थानों को स्पष्ट निर्देश दे रखे हैं कि वे यह सुनिश्चित करें कि पनीर वाली डिश में एनालॉग पनीर का इस्तेमाल ग्राहकों को सही जानकारी दिए बिना न किया जाए। इस विवाद के चलते देश के कई राज्यों ने कृत्रिम पनीर के खिलाफ सख्त कदम उठाए हैं। पंजाब सरकार ने इसके बनाने, संग्रहण करने, ट्रांसपोर्ट करने, बांटने और पनीर के नाम पर बेचने पर एक साल के लिये रोक लगा दी है। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि एनालॉग पनीर के खिलाफ छापेमारी और उस पर प्रतिबंध लगाने मात्र से यह समस्या हल नहीं होने वाली है। दरअसल, नियामकों को उन आर्थिक कारणों पर भी गंभीरता से ध्यान देना होगा, जिसकी वजह से असली पनीर की जगह नकली पनीर का इस्तेमाल धड़ल्ले से किया जा रहा है। वास्तव में पनीर की जांच और गुणवत्ता के असली पनीर की उपलब्धता को सुनिश्चित करना जरूरी है। साथ ही तमाम रेस्टोरेंट व होटलों को उन खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के लिये जवाबदेह बनाना होगा, जिन्हें वे खरीदते हैं और ग्राहकों को परोसते हैं।

निस्संदेह, हर ग्राहक को इस बात का हक है कि वह जान सके कि वह किस तरह का पनीर खा रहा है। एनालॉग पनीर उत्पादकों को उत्पाद के पैकेट पर स्पष्ट रूप से लिखना अनिवार्य होना चाहिए कि यह एनालॉग पनीर है। इसके अलावा सवाल इसके अर्थशास्त्र का भी है कि यदि उत्पादक इसके जरिये मुनाफा कमा रहे हैं तो उपभोक्ता को उस कीमत के अंतर का लाभ मिलना चाहिए। साथ ही उन विक्रेताओं पर नकेल कसनी होगी जो असली पनीर की कीमत पर एनालॉग पनीर धड़ल्ले से बेच रहे हैं। वहीं दूसरी ओर ग्राहकों की सजगता भी इस समस्या के अंतिम समाधान में मददगार हो सकती है।

संपूर्ण प्रणाली और संपूर्ण सरकार दृष्टिकोण के जरिए किस प्रकार आईसीएआर की ‘मृदा आसूचना’ भारत के विशाल अवसंरचना विस्तार को नया रूप दे रही है

एम.एल. जाट और एन.जी. पाटिल

भारत अभूतपूर्व और ऐतिहासिक गति से अपने डिजिटल, फिज़िकल (भौतिक) और फिजिटल (फिजिकल+डिजिटल) भविष्य का निर्माण कर रहा है। देश हर वर्ष औसतन 4.5 लाख से अधिक रूट किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर केबल नेटवर्क का विस्तार कर रहा है, जबकि साथ ही लगभग 11,000 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण और 6,500 किलोमीटर रेलवे ट्रैक का विद्युतीकरण किया जा रहा है और हर वर्ष लगभग 5,000 किलोमीटर रेलवे ट्रैक जोड़े जा रहे हैं। इस व्यापक विस्तार का अर्थ है कि देशभर में डिजिटल कनेक्टिविटी के 22.8 लाख किलोमीटर के आश्चर्यजनक विस्तार वाले बहुवर्षीय राष्ट्रीय विस्तार के साथ-साथ, देश प्रतिदिन लगभग 30 किलोमीटर राजमार्ग और 12 से 15 किलोमीटर नई रेल लाइनों का निर्माण कर रहा है। फिर भी, जैसे-जैसे ये विस्तृत परिवहन गलियारे, अल्ट्रा-मेगा सौर पार्क और विशाल डिजिटल नेटवर्क विस्तार पा रहे हैं, कृषि विज्ञान के नेतृत्व में एक शांत तकनीकी सहयोग भूमि की सतह के ठीक नीचे हो रहा है।

बड़े परियोजनाओं के लिए बोली लगाने वालों को अक्सर पहले से मिट्टी की खुदाई की लागत का अनुमान तैयार करना पड़ता है, भले ही पहले से कोई भूवैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध न हो। चूंकि परियोजनाओं की निविदा प्रक्रिया की समय-सीमा बहुत कम होती है, इसलिए त्वरित और विश्वसनीय मृदा संबंधी आंकड़े इस जोखिम को काफी हद तक कम कर सकते हैं—विशेषकर तब, जब परियोजना भारत के बाहर स्थित हो और स्थानीय भू-भाग संबंधी आंकड़ों तक पहुंच कठिन हो। इसके अलावा, बोली जीतने के बाद, परियोजना क्रियान्वयन-कर्ताओं को बार-बार आने वाली करोड़ों रुपये की समस्या का सामना करना पड़ता है: नरम मिट्टी में आसानी से खुदाई करते हुए इंजीनियरिंग दल अचानक भूमिगत चट्टान की कठोर दीवार से टकरा जाता है, या भ्रामक काली कपास मिट्टी पर बनाई गई नई सड़क में दरारें पड़ने लगती हैं और वह उखड़ने लगती है। काम रुक जाता है, मशीनरी बेकार खड़ी रहती है और परियोजना की लागत आसमान छूने लगती है। इस महत्वपूर्ण सूचना अंतराल को पाटने के लिए, नागपुर स्थित आईसीएआरङ्क्षराष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो (एनबीएसएस एवं एलयूपी) के वैज्ञानिकों ने एक क्रांतिकारी प्रतिमान विकसित किया है: मृदा आसूचना-आधारित पूर्वानुमानात्मक इंजीनियरिंग। दशकों से उपलब्ध मृदा विज्ञान संबंधी आंकड़ों को उन्नत मशीन लर्निंग के साथ जोड़कर, आईसीएआर बुनियादी ढांचा योजनाकारों को जमीन में पहली फावड़ी लगने से पहले ही पृथ्वी के बारे में एक्स-रे दृष्टि प्रदान कर रहा है—यह सिद्ध करते हुए कि कृषि अनुसंधान खेतों से कहीं आगे राष्ट्रीय विकास का एक आधारभूत चालक है।

गति और विस्तार की अनदेखी की गई चुनौतियां

भारत में वर्तमान अवसंरचना विस्तार की अत्यधिक तीव्र गति के कारण पारंपरिक नियोजन स्वयं एक बाधा बन गया है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, भारत का कुल डिजिटल फुटप्रिंट लगभग 19.35 लाख रूट किलोमीटर से बढ़कर 42.36 लाख रूट किलोमीटर से अधिक हो गया है, जो कई वर्षों में हुए व्यापक विस्तार को दर्शाता है। इसी हालिया पांच-वर्षीय अवधि में, देश ने 57,125 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया है। इसी दौरान, भारतीय रेलवे ने 33,000 से अधिक रूट किलोमीटर का विद्युतीकरण किया है, जो औसतन लगभग 6,600 किलोमीटर प्रतिवर्ष है और ब्रॉड गेज नेटवर्क के विद्युतीकरण को लगभग 99.6त्न तक पहुंचाता है, जिसकी दर प्रतिदिन 15 से अधिक रूट किलोमीटर के विद्युतीकरण की है। स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में, भारत ने अपनी प्रमुख सौर योजना के तहत 54 से 56 बड़े पैमाने के सौर पार्कों को मंजूरी दी है, जिनकी स्वीकृत क्षमता लगभग 39.5 गीगावाट है, जिससे 100 से अधिक सार्वजनिक और निजी पार्कों में कुल ग्राउंड-माउंटेड सौर क्षमता 122 गीगावाट से अधिक हो गई है। इन विशाल कार्यों में शामिल कई सरकारी और निजी एजेंसियां—चाहे वे भूमिगत संचार लाइनों को बिछाने, विद्युत पारेषण टावर खड़े करने या विशाल सौर संरचनाओं को आधार प्रदान करने का काम कर रही हों—सटीक भूमिगत आंकड़ों पर अत्यधिक निर्भर रहती हैं। फिर भी, पारंपरिक प्रारंभिक भू-तकनीकी सर्वेक्षण में काफी समय और लागत लगती है। चूँकि, परियोजनाएं इतनी तेजी से आगे बढ़ रही हैं, ये महत्वपूर्ण मृदा जांच अक्सर छोड़ दी जाती हैं या सीमित कर दी जाती हैं। इसका परिणाम? अनिश्चित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर), भ्रामक लागत अनुमान और बोलीदाताओं के लिए गंभीर वित्तीय जोखिम।

कृषि-अवसंरचना संबंध

आईसीएआर-एनबीएसएस एवं एलयूपी ने इस सूचना-अंतराल को एक प्रमाणित, समय-परीक्षित प्रौद्योगिकी के माध्यम से दूर किया है, जो पूरे भारत और कई अन्य देशों में काम करती है। उपग्रह रिमोट सेंसिंग और मशीन लर्निंग का उपयोग करके, आईसीएआर स्थल-विशिष्ट भू-तकनीकी मृदा गुणों, जैसे मृदा की गहराई, अंतिम वहन क्षमता (सिविल इंजीनियरिंग संरचना को सहारा देने में निर्णायक कारक), स्थू,ल घनत्व आदि का पूर्वानुमान लगाता है, जिसके लिए भूमि की धीमी, महंगी और विघटनकारी ड्रिलिंग की आवश्यकता नहीं होती।

यह पद्धति पूरी तरह स्वचालित पाइपलाइन के अंतर्गत बहु-स्रोत भू-स्थानिक इनपुट पर मशीन-लर्निंग रिग्रेशन मॉडल का उपयोग करती है। उपग्रह चित्रों, डिजिटल एलिवेशन मॉडल, भू-भाग की ढलान संबंधी व्युत्पन्न आंकड़ों, लिथोलॉजी और भूजल स्तर को संसाधित करके, आईसीएआर का मृदा वर्गीकरण इंजन सटीक, स्थल-विशिष्ट पूर्वानुमान तैयार करता है। यह प्रणाली मृदा की गहराई (नरम, कठोर या मिश्रित परतों की गहराई) और अन्य मापदंडों का सटीक पूर्वानुमान लगाती है। इन मापदंडों का उपयोग इंजीनियरिंग एजेंसियों द्वारा प्रारंभिक भू-तकनीकी डिजाइन, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने और बोली-पूर्व लागत अनुमान के लिए सीधे किया जाता है। पारंपरिक क्षेत्र सर्वेक्षणों की तुलना में, यह डिजिटल समाधान लागत और समय दोनों में 75त्न की कमी करता है। तीन सदस्यों की एक छोटी टीम प्रतिदिन लगभग 1,000 किलोमीटर लंबे मार्ग को संसाधित कर सकती है, जिससे यह बड़े पैमाने पर, समयबद्ध राष्ट्रीय नियोजन के लिए विशेष रूप से उपयुक्त बन जाता है। भारतभर में 50,000 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में इस पूर्वानुमानात्मक दृष्टिकोण का सत्यापन करने के बाद, क्षेत्र में सत्यापित आंकड़ों के मुकाबले लगभग 80त्न की पूर्वानुमान सटीकता प्राप्त हुई है, यहां तक कि कम आंकड़ों वाले क्षेत्रों में भी। अब इन परिकलन विधियों (एल्गोरिदम) को मानकीकृत कर दिया गया है।

वैश्विक उपस्थिति और वाणिज्यिक विश्वसनीयता

इस प्रणाली का भारत के अत्यंत विविध भौगोलिक क्षेत्रों में कठोर क्षेत्र-परीक्षण किया गया है—उत्तराखंड और असम के हिमालयी पर्वतीय क्षेत्रों से लेकर राजस्थान के थार मरुस्थल तथा दक्कन के पठार और सिंधु-गंगा के मैदानों तक। क्षेत्रीय आंकड़ों के आधार पर मानकीकृत की गई यह प्रौद्योगिकी अब राष्ट्रीय सीमाओं से आगे बढ़ चुकी है। प्रमुख सार्वजनिक और निजी अवसंरचना कंपनियां भारत और अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों में 2,00,000 से अधिक रूट-किलोमीटर का मानचित्रण करने के लिए इस प्रणाली को अपना चुकी हैं, जिससे आईसीएआर के अनुसंधान पारितंत्र के लिए संसाधन जुटाने के साथ-साथ बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की बचत भी हो रही है और भारतीय कंपनियों को आगे बढ़ने तथा वैश्विक कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाया जा रहा है। अडानी ट्रांसमिशन लिमिटेड, स्टरलाइट टेक्नोलॉजीज़ लिमिटेड, टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड और केईसी इंटरनेशनल लिमिटेड सहित प्रमुख वैश्विक अवसंरचना कंपनियों ने इस समाधान को अपनाया है। केईसी इंटरनेशनल जैसी अंतरराष्ट्रीय कंपनी, जो 100 से अधिक देशों में पारेषण लाइनों को डिजाइन और इनका निर्माण करती है, के लिए मृदा संबंधी आंकड़े वित्तीय अस्तित्व के लिए एक महत्वपूर्ण निर्धारक हैं। नींव संबंधी गतिविधियां और परियोजना जोखिम पूरी तरह से मृदा के प्रकार पर निर्भर करते हैं। ऐसे उद्योग में जहां 6,000 करोड़ रुपये से अधिक के राजस्व आधार पर मार्जिन में मामूली 0.1त्न की कमी भी 6 करोड़ रुपये के वार्षिक नुकसान में बदल जाती है, सटीक मृदा आसूचना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, नाइजर, रूस, केन्या, मोरक्को, मोल्दोवा, मैक्सिको, मलेशिया, अबू धाबी, नेपाल, बांग्लादेश और ट्यूनीशिया जैसे भौगोलिक रूप से जटिल देशों में पारेषण लाइन परियोजनाओं के लिए बोली लगाते समय, मृदा संबंधी आंकड़ों की कमी या वास्तसविक स्थिति का निष्प क्ष/सही प्रतिनिधित्वद न करने वाले आंकड़े लाभप्रदता को प्रभावित कर सकते हैं। आईसीएआर की प्रौद्योगिकी विश्वसनीय तृतीय-पक्ष सत्यापन प्रदान करती है, जो ग्राहकों या परियोजना प्रबंधकों द्वारा मृदा की स्थिति के संबंध में किए गए दावों की जांच के लिए एक निष्पक्ष सत्यापनकर्ता के रूप में कार्य करती है, जिससे बोली लगाने में विश्वास बढ़ता है। छोटी लागत वाली निविदाओं के मामले में, जहां समय या वित्तीय सीमाओं के कारण भौतिक सर्वेक्षण संभव नहीं होते, यह पूर्वानुमानात्मक आंकड़ा इस कमी को पूरा करता है।

राष्ट्रीय प्रगति की प्रेरक

इस आंकड़े और विश्लेषण की सफलता ने अवसंरचना क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों को आईसीएआर की प्रौद्योगिकी को विभिन्न व्यावसायिक इकाइयों में व्यापक रूप से लागू करने के लिए प्रेरित किया है, जिससे इसकी उपयोगिता विद्युत पारेषण लाइनों से आगे बढ़कर रेलवे, सौर ऊर्जा प्रतिष्ठानों और भूमिगत केबलिंग तक विस्तृत हो गई है।

उन्नत मृदा विज्ञान का उपयोग करके राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय निर्माण गलियारों के जोखिम को कम करते हुए, कृषि अनुसंधान ने स्वयं को भारत की व्यापक आर्थिक वृद्धि के एक अपरिहार्य चालक के रूप में सिद्ध कर दिया है। यह प्रौद्योगिकी दर्शाती है कि मृदा विज्ञान में निवेश केवल देश का पेट नहीं भरता, बल्कि उसके वैश्विक भविष्य की आधारशिला भी तैयार करता है। इस सफलता के आधार पर, आईसीएआर के वैज्ञानिक अब 90 मीटर रिजॉल्यूशन वाले मृदा गहराई मानचित्र और हाल ही में इसी रिजॉल्यूशन वाले मृदा बनावट मानचित्र जैसे पूर्वानुमानात्मक डिजिटल मृदा मानचित्र भी आत्मविश्वास के साथ तैयार कर रहे हैं। ये मानचित्र निकट भविष्य में भारत को डिजिटल कृषि की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ाएंगे, विशेष रूप से भारत के किसानों को भूखंड-विशिष्ट समाधान उपलब्ध कराने में।

(लेखक एम.एल. जाट कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग (डीएआरई) के सचिव और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक हैं, एन.जी. पाटिल आईसीएआर-राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो (एनबीएसएस एवं एलयूपी), नागपुर के निदेशक हैं)

युवाओं को परिवर्तनकारी शक्ति मानते थे विवेकानंद

योगेश कुमार गोयल

किसी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति आर्थिक समृद्धि के बजाय उसके चरित्र, सामाजिक संवेदना, नैतिकता और नागरिक चेतना में निहित है। यही वह क्षेत्र है, जहां विवेकानंद आज भी हमारे सामने एक आईना रखते हैं। इतिहास में कुछ क्षण ऐसे होते हैं, जो केवल इतिहास नहीं बनते, बल्कि इतिहास की दिशा ही बदल देते हैं। 11 सितंबर, 1893 को अमेरिका के शिकागो में आयोजित विश्व धर्म महासभा में स्वामी विवेकानंद का संबोधन ऐसा ही एक कालजयी क्षण था। आज 133 वर्ष बाद भी उस आवाज़ की गूंज इसलिए सुनाई देती है, क्योंकि वह किसी एक धर्म, देश या काल की आवाज़ नहीं थी, बल्कि समूची मानवता के लिए एकता, सहिष्णुता, आत्मविश्वास और आध्यात्मिक उदात्तता का उद्घोष थी। जब युवा संन्यासी ने अपने संबोधन की शुरुआत ‘मेरे अमेरिकी भाइयों और बहनों’ कहकर की, तो सभागार में देर तक गूंजती तालियों ने स्पष्ट कर दिया कि आत्मीयता की भाषा किसी अनुवाद की मोहताज नहीं होती। उस क्षण भारत अपनी हजारों वर्ष पुरानी सांस्कृतिक चेतना के साथ विश्व के सामने उपस्थित था।

विवेकानंद का शिकागो भाषण इसलिए असाधारण नहीं था कि उन्होंने हिंदू धर्म की श्रेष्ठता का दावा किया, बल्कि इसलिए कि उन्होंने धर्म को संकीर्ण पहचान की दीवारों से बाहर निकालकर मानव-कल्याण और सार्वभौमिक बंधुत्व के धरातल पर प्रतिष्ठित किया। उन्होंने भारत की उस आध्यात्मिक परंपरा को सामने रखा, जो विविधता को संघर्ष नहीं, सह-अस्तित्व का आधार मानती है। उनका संदेश स्पष्ट था कि मनुष्य की अंतिम मंजिल सत्य, करुणा और आत्मबोध ही है। आज जब दुनिया धार्मिक कट्टरता, युद्ध, असहिष्णुता और पहचान के संघर्षों से जूझ रही है, तब विवेकानंद का यह दृष्टिकोण और भी प्रासंगिक हो उठता है। 12 जनवरी 1863 को कोलकाता में नरेंद्रनाथ दत्त के रूप में जन्मे विवेकानंद का जीवन असाधारण जिज्ञासा, संघर्ष और आत्मान्वेषण की यात्रा था। श्रीरामकृष्ण परमहंस के सान्निध्य ने उनकी चेतना को नई दिशा दी और आगे चलकर यही नरेंद्रनाथ विश्व के लिए स्वामी विवेकानंद बन गए। उन्होंने भारत को केवल उसके अतीत के गौरव में नहीं देखा, बल्कि उसके भविष्य की संभावनाओं को भी पहचाना। वे जानते थे कि जिस देश की आत्मा जागृत हो जाए, उसे लंबे समय तक पराधीन नहीं रखा जा सकता। इसलिए उनका सबसे बड़ा आह्वान था भारतीयों, विशेषकर युवाओं को अपनी अंतर्निहित शक्ति का बोध कराना।

विवेकानंद के लिए युवा राष्ट्र की सबसे बड़ी परिवर्तनकारी शक्ति था। वे चाहते थे कि युवा भय, हीनभावना और निष्क्रियता से बाहर आएं। उनका विश्वास था कि मनुष्य की सबसे बड़ी पराजय बाहरी परिस्थितियों से नहीं, स्वयं पर अविश्वास से होती है। इसलिए उन्होंने आत्मबल को राष्ट्र निर्माण की पहली शर्त माना। उनका प्रसिद्ध आह्वान ‘उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए’ आज भी केवल प्रेरक वाक्य नहीं, बल्कि कर्म और संकल्प का घोष है। उनकी दृष्टि में शिक्षा का अर्थ केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं था। शिक्षा वह शक्ति है, जो व्यक्ति में चरित्र, विवेक, आत्मविश्वास और जिम्मेदारी पैदा करे। वे ऐसे मनुष्य का निर्माण चाहते थे, जो अपने पैरों पर खड़ा हो सके, कठिन परिस्थितियों का सामना कर सके और दूसरों के जीवन में भी प्रकाश ला सके। विवेकानंद के लिए राष्ट्र निर्माण का अर्थ था गरीब, वंचित और कमजोर व्यक्ति को सम्मानजनक जीवन देना, शिक्षा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना और युवाओं में सेवा तथा त्याग की भावना पैदा करना।

डॉलर के विकल्प का सवाल भी उठेगा ब्रिक्स सम्मेलन में

पुष्परंजन

दुनिया भर के शेयर बाजार के खिलाड़ियों से लेकर ताकतवर केंद्रीय बैंकों के प्रमुखों तक, सबकी नजरें ब्रिक्स की उभरती अर्थव्यवस्थाओं के नेताओं की बैठक में होने वाले फैसलों पर टिकी हैं। इन अर्थव्यवस्थाओं को वैश्विक व्यापार और वित्तीय लेन-देन में अमेरिकी डॉलर के दबदबे के लिए खतरा माना जाता है। शाओमी के बिजनेस मॉडल को लेकर चीनी सत्ता के गलियारों में घबराहट ऐसे समय हो रही है, जब शनिवार से दिल्ली में ब्रिक्स शिखर बैठक होने जा रही है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने गुरुवार को कहा कि चीन को उम्मीद है कि भारत वहां निवेश करने और काम करने वाली सभी देशों की कंपनियों के लिए एक निष्पक्ष, न्यायपूर्ण, पारदर्शी और बिना भेदभाव वाला बिजनेस माहौल देगा। गुओ ने साथ में इसकी भी घोषणा की कि राष्ट्रपति शी ब्रिक्स बैठक में नई दिल्ली जा रहे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ से उन रिपोर्टों के बारे में पूछा गया था, जिनमें कहा गया था कि भारत के सीरियस फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन ऑफिस ने शाओमी की जांच की सिफारिश की है। गुओ ने कहा कि उन्हें खास स्थिति के बारे में पता नहीं है।

भारत के सीरियस फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन ऑफिस (एसएफआईओ) ने चीनी स्मार्टफोन कंपनी शाओमी के बिजनेस मॉडल और विदेशी निवेश नियमों के कथित उल्लंघन की एक विस्तृत जांच की सिफारिश की है। एसएफआईओ यह जांच करना चाहता है कि क्या 2020 की सीमा झड़पों के बाद चीनी निवेश पर कड़े नियमों के बावजूद शाओमी ने अनिवार्य मंजूरियां ली थीं या नहीं। कंपनी पर धन के प्रवाह और रॉयल्टी भुगतान जैसे मामलों में गड़बड़ी का संदेह है। यह प्रस्ताव अभी कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय की मंजूरी के लिए लंबित है। कोई सात साल बाद चीनी राष्ट्रपति शी भारत आ रहे हैं। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के समिट में शामिल होने पर सस्पेंस बना हुआ था, जो गुरुवार को क्लियर हो गया। चीन के लिए यह समिट इसलिए अहम है, क्योंकि यह ब्रिक्स की 20वीं सालगिरह है और यह ऐसे समय में हो रही है, जब वैश्विक शासन में अव्यवस्था बढ़ रही है।

जैसे-जैसे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन नजदीक आ रहा है, दुनिया भर के शेयर बाजार के खिलाड़ियों से लेकर ताकतवर केंद्रीय बैंकों के प्रमुखों तक, सबकी नजरें इन उभरती अर्थव्यवस्थाओं के नेताओं की बैठक में होने वाले फैसलों पर टिकी हैं। इन अर्थव्यवस्थाओं को वैश्विक व्यापार और वित्तीय लेन-देन में अमेरिकी डॉलर के दबदबे के लिए खतरा माना जाता है।

धीमी प्रगति के बावजूद, डी-डॉलरलाइज़ेशन (डॉलर पर निर्भरता कम करने की प्रक्रिया) चर्चा का विषय बन गई है। इसकी मुख्य वजह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वे बयान हैं, जिनमें उन्होंने ब्रिक्स देशों के समूह को चेतावनी दी थी कि अगर वे वैश्विक व्यापार में डॉलर के दबदबे को खत्म करने की कोशिश करते हैं, तो उन पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाया जा सकता है।

मॉस्को, नई दिल्ली या पेइचिंग में बाजार संभालने वाले सभी मंत्रियों और अधिकारियों ने बार-बार जोर देकर कहा है कि ब्रिक्स का कोई भी देश डॉलर के खिलाफ किसी तरह की वैचारिक लड़ाई नहीं लड़ रहा है। लेकिन, यह हाथी के दांत दिखाने जैसा है। डॉलर के एकाधिकार को समाप्त करने की छटपटाहट तो है। यदि ब्रिक्स के देशों में आपसी मतभेद न हों, तो डॉलर का विकल्प कब का तैयार हो जाता।

भले ही ब्रिक्स शिखर बैठक में डी-डॉलरलाइज़ेशन पर खुलकर चर्चा न हो, लेकिन सम्मेलन के दौरान देशों के बीच होने वाली बातचीत में करेंसी स्वैप (मुद्रा की अदला-बदली) और व्यापार ढांचे पर चर्चा होने की पूरी संभावना है। मूल सदस्य देशों—भारत, रूस, चीन, ब्राज़ील और दक्षिण अफ्रीका—के नेताओं के बीच और हाल ही में ब्रिक्स में शामिल हुए कई अन्य देशों, जैसे ईरान, सऊदी अरब, मिस्र, इंडोनेशिया, यूएई और इथियोपिया, के नेताओं के साथ कई महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बातचीत होने की उम्मीद है।

वर्ष 2024 में ब्रिक्स देशों के बीच आपसी व्यापार का मूल्य 1.17 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर आंका गया था। माना जाता है कि यह सालाना औसतन 13 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। दुनिया के कुल निर्यात में ब्रिक्स की हिस्सेदारी 24 प्रतिशत है। मगर, राष्ट्रीय मुद्राओं में भुगतान निपटाने की दिशा में ब्रिक्स देशों के विभिन्न कदम, जैसे भारत और रूस के बीच रुपया-रूबल समझौता या डॉलर के बजाय युआन में व्यापार करने की चीन की कोशिशें, जितनी कारगर होनी चाहिए थीं, हुई नहीं।

साल 2000 में, सभी देशों के कुल विदेशी मुद्रा भंडार का लगभग 71 प्रतिशत हिस्सा डॉलर के रूप में रखा जाता था। 2026 तक यह घटकर लगभग 57 फीसदी रह गया है। अर्थात, ‘टाइगर अभी जिंदा है’ की तर्ज पर डॉलर अभी जिंदा है। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति बनाने वाली टीम के एक सदस्य ने नाम न बताने की शर्त पर कहा, ‘यह साफ तौर पर दिखाता है कि कई देशों के केंद्रीय बैंकर डॉलर का भारी भंडार रखने से जुड़े भू-राजनीतिक जोखिमों को बांटने के लिए या तो दूसरी मुद्राएं या फिर सबसे सुरक्षित निवेश, यानी बुलियन (सोना), खरीद रहे हैं।’

डॉलर पर भरोसे की कमी का यह असर अब खुद अमेरिका के केंद्रीय बैंक द्वारा सोना रखने के मामले में भी दिखने लगा है। सोना महंगा होने की मूल वजह अब सरकारें बन चुकी हैं। डच केंद्रीय बैंक ने इस साल मार्च और अगस्त के बीच उत्तरी अमेरिका से लंदन में लगभग 86 टन सोना ट्रांसफर किया, जिसकी कीमत 10 अरब अमेरिकी डॉलर से ज़्यादा थी। इससे पहले, जनवरी 2026 में फ्रांस ने अमेरिका में रखा अपना 129 टन सोना बेच दिया था, जो उसके कुल भंडार का लगभग 5 प्रतिशत था। बिक्री से मिले पैसे से फ्रांस ने यूरोप में सोना खरीदा और उसे अपने केंद्रीय बैंक के वॉल्ट में जमा कर दिया। यह कदम लगभग 9 साल पहले राष्ट्रपति ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान जर्मनी के बुंडेसबैंक द्वारा उठाए गए उपाय जैसा ही है, जब उसने फ्रैंकफर्ट में अपने वॉल्ट में 300 टन सोना ट्रांसफर किया था।

मंगलवार को क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा, ‘हालांकि ब्रिक्स किसी भी ‘डी-डॉलरलाइज़ेशन नीति’ के पक्ष में नहीं है, लेकिन सदस्य देश, जिनमें से कई प्रतिबंधों के कारण डॉलर में लेन-देन नहीं कर सकते, हम बस वही कर रहे हैं, जो हमारे राष्ट्रीय हितों के लिए बेहतर है। अमेरिकी कदमों ने ही डॉलर पर भरोसे को कम किया है।’

भारत के नजरिए से यह समस्या काफी पेचीदा है, क्योंकि नई दिल्ली एक तरफ तो रूस से कच्चा तेल खरीदने वाले दुनिया के सबसे बड़े देशों में से एक बन गई है और दूसरी तरफ पश्चिमी बाजारों, टेक्नोलॉजी और पूंजी तक अपनी पहुंच भी बनाए रखना चाहती है। यहीं पर ब्रिक्स और भी अहम हो जाता है। अध्यक्ष देश की हैसियत से भारत किस करवट बैठता है, इस पर राष्ट्रपति ट्रंप नजरें गड़ाए बैठे हैं।

लेखक जियोपॉलिटिकल मामलों के पत्रकार हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रमुख खबरें...

आंगनबाड़ी सहायिका पद हेतु अनंतिम मूल्यांकन सूची जारी

दुर्ग। नगर पालिक निगम भिलाई–चरोदा क्षेत्रांतर्गत एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई–02 द्वारा आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद हेतु अनंतिम मूल्यांकन सूची (परिशिष्ट–4) जारी कर दी गई है। इस संबंध में अभ्यर्थियों से 18 सितंबर 2026 तक दावा–आपत्ति आमंत्रित किए गए हैं। परियोजना अधिकारी नीलम राय चौधरी द्वारा जारी सूचना के अनुसार, वार्ड क्रमांक 03 स्थित आंगनबाड़ी केन्द्र–अकलोरीडीह क्रमांक–01 में सहायिका पद की पूर्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे। मूल्यांकन समिति द्वारा परीक्षण के उपरांत तैयार की गई अनंतिम मूल्यांकन सूची 09 सितंबर 2026 को एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई–02 एवं नगर पालिक निगम भिलाई–चरोदा के सूचना पटल पर चस्पा कर दी गई है। जिन आवेदिकाओं को उपरोक्त अनंतिम मूल्यांकन पत्रक के संबंध में दावा/आपत्ति है।

स्कूल भवन के जीर्णोद्वार व नए कक्षों के निर्माण हेतु 7.9 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति

दुर्ग। ग्राम पंचायत अकतई स्थित शासकीय प्राथमिक शाला भवन की स्थिति को संज्ञान में लेते हुए जिला प्रशासन द्वारा त्वरित एवं सकारात्मक कदम उठाया गया है। कलेक्टर श्री अभिजित सिंह ने विद्यालय भवन के जीर्णोद्धार एवं नए कक्षों के निर्माण हेतु 7.90 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। उल्लेखनीय है कि समाचार पत्र में प्रकाशित खबर के माध्यम से मामला ध्यान में आते ही, कलेक्टर सिंह ने विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं हित को सर्वोपरि रखते हुए यह त्वरित निर्णय लिया है। भवन की आवश्यक मरम्मत अतिरिक्त कक्षों के निर्माण हेतु 'वीबी जीरामजी' योजना के अंतर्गत प्रस्ताव तैयार कर उच्च स्तर को प्रेषित कर दिया गया है।

श्रमायुक्त कार्यालय से समन्वय कर समस्या का हुआ त्वरित निराकरण

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने विगत दिवस समाचार पत्र में पाटन क्षेत्र के ग्राम तेलीगुंडरा निवासी रामेश्वरी सेन के आधार विवरण का अन्य पंजीयन में उपयोग होने और श्रम कार्ड न बन पाने संबंधी खबर पर त्वरित संज्ञान लिया है। कलेक्टर के संवेदनशील निर्देशों के परिपालन में श्रम विभाग द्वारा तत्परतापूर्वक कार्यवाही करते हुए हितग्राही का 'छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल' के अंतर्गत नया श्रम पंजीयन कार्ड जारी कर दिया गया है। विभागीय रिकॉर्ड एवं पोर्टल के परीक्षण के दौरान यह पाया गया था कि पूर्व में किसी अन्य पंजीयन कार्ड में हितग्राही के आधार विवरण की प्रविष्टि हो जाने के कारण पोर्टल पर तकनीकी त्रुटि उत्पन्न हो रही थी, जिससे इनका नया पंजीयन पूर्ण नहीं हो पा रहा था।

विधायक ललित चंद्राकर ने बांटे ऑफर लेटर, 21 युवाओं को मिला रोजगार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा संचालित स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग सेंटर, अंजोरा के वेयरहाउस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के 21 छात्र–छात्राओं का प्लेसमेंट हुआ है। प्लेसमेंट के बाद आयोजित कार्यक्रम में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने चयनित छात्र–छात्राओं को ऑफर लेटर वितरित किए और उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

दो माह का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने के बाद इन युवाओं का बेंगलुरु स्थित स्विगी कंपनी COMETT STAFFING SOLUTIONS PVT. LTD.में चयन हुआ है। चयनित युवाओं को लगभग ?21,000 मासिक ष्टञ्जष्ट पर रोजगार मिलेगा। ऑफर लेटर मिलने के बाद छात्र–छात्राओं के चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दी।

कार्यक्रम के दौरान विधायक ललित चंद्राकर ने छात्र–छात्राओं से सहज बातचीत कर उनके प्रशिक्षण एवं रोजगार से जुड़ी जानकारी ली। उन्होंने युवाओं को मेहनत और लगन के साथ कार्य करने तथा अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया। श्री चंद्राकर ने कहा कि युवाओं को रोजगार से जोड़ना ही सुशासन की असली पहचान है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में हमारी सरकार हर हाथ को काम देने के लिए संकल्पित है। अंजोरा का यह स्किल सेंटर ग्रामीण युवाओं के लिए वरदान साबित हो रहा है। उन्होंने सभी चयनित युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि वे पूरी निष्ठा और मेहनत से कार्य करें और अपने गांव, जिले व प्रदेश का नाम रोशन करें। प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा संचालित स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग सेंटर के माध्यम से ग्रामीण एवं बेरोजगार युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण में इंडस्ट्री की आवश्यकताओं के अनुरूप तकनीकी जानकारी के साथ कम्युनिकेशन स्किल, सॉफ्ट स्किल, ग्रूमिंग एवं व्यक्तित्व विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है।

सेंटर हेड सुभाष डोंगरे ने बताया कि अंजोरा सेंटर में ग्रामीण युवाओं को आवासीय प्रशिक्षण की सुविधा दी जा रही है।

जनकल्याण और जनभागीदारी का व्यापक अभियान बने 'सेवा संकल्प अभियान' : मुख्यमंत्री साय

सेवा सेतु शिविरों में योजनाओं का मिलेगा त्वरित लाभ, समस्याओं का होगा मौके पर निराकरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाला 'सेवा संकल्प अभियान' जनकल्याण और जनभागीदारी का व्यापक अभियान बने। अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, रोजगार और विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी गतिविधियों के माध्यम से अधिक से अधिक नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ पहुंचाया जाए।

मुख्यमंत्री साय ने सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों को लेकर आयोजित कॉन्फ्रेंस में अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अभियान के प्रत्येक कार्यक्रम के केंद्र में आम नागरिक और उसकी जरूरतें होनी चाहिए। पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़ने, युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने, स्वास्थ्य सेवाओं को लोगों के करीब पहुंचाने और जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण पर विशेष ध्यान दिया जाए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी जिला कलेक्टरों से अभियान की तैयारियों की नियमित समीक्षा करने और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय के साथ कार्यक्रमों को सुनियोजित ढंग से संपन्न कराने को कहा। उन्होंने कार्यक्रमों की पूर्व सूचना आम नागरिकों तक पहुंचाने और अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री साय ने 'सेवा सेतु' अभियान को जनकल्याण की दृष्टि से प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया। अभियान के अंतर्गत चयनित गांवों में स्वास्थ्य शिविर के साथ ही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को चिन्हित कर योजनाओं से जोड़ा जाएगा और उनकी समस्याओं का यथासंभव मौके पर निराकरण किया जाएगा। शिविर स्थलों पर आवेदन प्राप्त करने के लिए काउंटर स्थापित किए जाएंगे। प्राप्त आवेदनों की डिजिटल मॉनिटरिंग की जाएगी। जिन समस्याओं का तत्काल निराकरण संभव नहीं होगा, उनकी साप्ताहिक समीक्षा कर समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि शिविर आयोजित होने से पहले ही संबंधित क्षेत्र के संभावित पात्र हितग्राहियों की पहचान की जाए, ताकि शिविर के दौरान उन्हें योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाया जा सके। उन्होंने कहा कि शिविरों की जानकारी पहले से गांवों और नागरिकों तक पहुंचाई जाए, जिससे अधिक से अधिक लोग इनमें शामिल हो सकें।

'आंगन मिलन' कार्यक्रम के माध्यम से आंगनबाड़ी केंद्रों में स्वस्थ शिशु प्रतियोगिता, 'मेरी पौष्टिक थाली', चित्रकला प्रतियोगिता, न्योता भोज तथा फल एवं मिठाई वितरण जैसी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने पोषण चौपालों में अधिक से अधिक माता–पिता की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। महतारी वंदन योजना का लाभ लेकर अपने जीवन में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाओं को भी सम्मानित किया जाएगा। आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के लिए खिलौने उपलब्ध कराने में सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित किया जाएगा।

रोजगार मेलों से युवाओं को मिलेंगे रोजगार के अवसर

मुख्यमंत्री साय ने कौशल विकास विभाग द्वारा आयोजित किए जाने वाले रोजगार मेलों को भी सेवा संकल्प अभियान से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रोजगार मेलों के माध्यम से बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार से जोड़ने का प्रयास किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि युवाओं से आवेदन प्राप्त कर रोजगार के अवसरों से जोड़ने की प्रक्रिया प्रभावी ढंग से पूरी की जाए और चयनित युवाओं को शिविरों में नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएं।

राष्ट्रीय लोक अदालत 12 सितम्बर की सफलता हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग ने तेज की तैयारियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। आमजन को त्वरित, सुलभ एवं नि:शुल्क न्याय उपलब्ध कराने तथा न्यायालयों में लंबित प्रकरणों का आपसी सहमति एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 12 सितम्बर 2026 को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग सहित जिले में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा जोर–शोर से तैयारियाँ प्रारंभ कर दी गई हैं। माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के. विनोद कुजूर के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय लोक अदालत को अधिकाधिक सफल बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों का प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने के लिए संबंधित प्रकरणों में प्री–सिटिंग की कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। प्री–सिटिंग के माध्यम से पक्षकारों के मध्य विवाद के मूल कारणों को समझने, आपसी सहमति की संभावनाओं का परीक्षण करने तथा उन्हें लोक अदालत के माध्यम से विवाद का शांतिपूर्ण समाधान प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

राष्ट्रीय लोक अदालत को व्यापक एवं परिणामोन्मुखी बनाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिले के विभिन्न संबंधित विभागों, न्यायालयों, विधिक सहायता तंत्र एवं अन्य हितधारकों के साथ निरंतर समन्वय स्थापित किया जा रहा है। संबंधित विभागों से प्रकरणों की जानकारी प्राप्त करने, पात्र प्रकरणों को चिन्हांकित करने तथा अधिक से अधिक प्रकरणों को लोक अदालत के माध्यम से निराकृत किए जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा आम नागरिकों से अपील की गई है कि यदि उनका कोई प्रकरण राष्ट्रीय लोक अदालत में रखे जाने योग्य है अथवा उनका कोई विवाद आपसी समझौते के माध्यम से समाप्त किया जा सकता है, तो वे इस अवसर का लाभ उठाएं।

मां महामाया मंदिर में नवरात्र की तैयारियां शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। स्मृति नगर मॉडल टाउन चौक स्थित श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर, माँ महामाया मंदिर में प्रतिवर्ष अनुसार प्राचीन परंपरा के माध्यम से शारदीय नवरात्र के अवसर पर अभिजीत मुहुर्त में मनोकामना ज्योत प्रज्जवलित किये जाऐंगे। शारदीय नवरात्र हेतु देवी पूजन की तैयारियां प्रारंभ हो चुकी है श्रद्धालुगण जो ज्योत प्रज्जवलित करना चाहते हैं वे मां महामाया मंदिर आकर अपना स्थान एवं नाम लिखवा कर रसीद मंदिर में प्राप्त कर सकते हैं।

इस भव्य प्राचीन मंदिर की खासियत यह है कि सादे वेश में एक संत विगत 30 वर्षों से मां महामाया की सेवा कर रहें है। वर्तमान में व्यवस्थापक का कार्य मंदिर में ये ही संभाल कर जन सहयोग से मंदिर को भव्य रूप दिलवा चुके है श्रद्धालु गणों एवं क्षेत्र की जनता के बीच में श्रीराम मैया के रूप में जाने जाते है वास्तव में इस मंदिर के महंत की भूमिका में है वे अपना गुरु श्री सीता मां को और देवरहा बाबा को मानते हैं एवं स्थूल रूप से अयोध्या चौरासी कोसी परिक्रमा के प्रमुख स्व. श्री राम विलास वेदांती महाराज को अपना गुरू मानते है। कोषाध्यक्ष – विनय सह सचिव उदय मां महामाया मंदिर में और भी पंडित जी नवरात्र में सेवारत रहते है जिसमें पंडित कुशल उपाध्याय, पंडित शरद मिश्रा पं. उत्कर्ष भटट, पं. अशोक शर्मा हैं।

इनके अलावा संरक्षक अजय चौहान, रविमदान, राजेश तिवारी श्रीमती संगीता शाह, राम तिवारी है एवं वर्तमान में इस मंदिर के अध्यक्ष घनश्याम गोस्वामी, उपाध्यक्ष – पं. कुशल उपाध्याय, विवान उपाध्याय, सेन, उप कोषाध्यक्ष, अन्नु यादव, सचिव रविन्द्र परधनिहा, देशमुख एवं उदय राजपुत, बिट्टू यादव, सोनू सोनकर, अभिजित सान्याल, वैभव पाल, दिवाकर काले, सुमित चौहान, नागेन्द्र सूर्यवंशी, रूपलाल रजक, थान सिंह, धन्नु शर्मा, संजय ठाकुर, हरिओम, योगेश जोशी है। मंदिर समिति के समस्त कार्यकर्तागण एवं पदाधिकारियों ने सभी माता जी उपासक एवं श्रद्धालुगणों को आने वाले शारदीय नवरात्र पर्व की हार्दिक शुभकामनाऐं प्रेषित की हैं।

बीएमडीसी में 'एआई एट वर्कप्लेस' प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के एचआर–एलएंडडी विभाग द्वारा कार्यस्थल पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के व्यावहारिक उपयोग को बढ़ावा देने तथा कर्मचारियों में एआई आधारित कार्यप्रणालियों को अपनाने की क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से 'एआई एट वर्कप्लेस' विषय पर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम 07 सितंबर 2026 को भिलाई मैनेजमेंट डेवलपमेंट सेंटर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एचआर–एलएंडडी के कर्मचारियों के साथ ट्रेड अप्रेंटिस एवं ग्रेजुएट अप्रेंटिस सहित कुल 23 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यपालक निदेशक पवन कुमार ने किया। उन्होंने तेजी से बदलते कार्य परिवेश में एआई संबंधी कौशल के निरंतर उन्नयन एवं नई तकनीकों के साथ स्वयं को अद्यतन रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कर्मचारियों को युवाओं से सीखने तथा नई तकनीकों को अपनाने में उनकी उत्सुकता, रचनात्मकता एवं डिजिटल दक्षताओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए महाप्रबंधक प्रभारी एवं विभागाध्यक्ष संजीव कुमार श्रीवास्तव ने विभाग में एआई के उपयोग से संचालित विभिन्न पहलों एवं गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने विभाग में एआई आधारित कार्यों एवं परियोजनाओं की प्रगति साझा करते हुए कर्मचारियों के बीच एआई संबंधी दक्षताओं के विकास की आवश्यकता को रेखांकित किया।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण 'एआई–आधारित प्रोजेक्ट शोकेस' रहा। इसमें बीएमडीसी में पदस्थ ट्रेड अप्रेंटिस एवं ग्रेजुएट अप्रेंटिस ने एआई टूल्स के माध्यम से किए गए विभिन्न व्यावहारिक कार्यों एवं परियोजनाओं का प्रदर्शन किया। प्रस्तुतियों के माध्यम से युवा प्रशिक्षु द्वारा कार्यस्थल से जुड़ी समस्याओं के समाधान, कार्यों के स्वचालन तथा कार्य–दक्षता में सुधार के लिए एआई तकनीक का प्रभावी उपयोग का प्रदर्शन किया गया।

एआई आधारित परियोजनाओं का प्रदर्शन वैभव लक्ष्मी दुबे, नितिन पटेल, कावेरी सिंधे, महिमा ठाकुर, रिया गृतलहरे, गोकुल दास साहू एवं डिकेश्वरी साहू द्वारा किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान नवीनतम एआई टूल्स एवं उनके कार्यस्थलीय उपयोग से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। प्रतिभागियों ने व्यावहारिक प्रदर्शन एवं अभ्यास के माध्यम से विभिन्न एआई टूल्स की कार्यप्रणाली को समझा तथा दैनिक कार्यों में इनके उपयोग की संभावनाओं से परिचित हुए।

जरूरतमंद मरीजों की सेवा में श्री सांई नाथ जन सेवा समिति का सराहनीय योगदान

लाल बहादुर शास्त्री शासकीय हॉस्पिटल, सुपेला में 50 बेडशीट का वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। श्री सांई नाथ जन सेवा समिति, भिलाई द्वारा अपने निरंतर सामाजिक एवं मानव सेवा कार्यों की श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए आज दिनांक 10.09.2026, दिन गुरुवार को दोपहर 1:00 बजे लाल बहादुर शास्त्री शासकीय हॉस्पिटल, सुपेला, भिलाई में भर्ती जरूरतमंद मरीजों की सुविधा एवं सेवा के लिए 50 बेडशीट का वितरण किया गया।

संस्था के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने हॉस्पिटल के प्रभारी/चिकित्साधीक्षक डॉ. पीयम सिंह से सौजन्य भेंट कर उन्हें मरीजों के उपयोग हेतु 50 बेडशीट प्रदान की। इस अवसर पर संस्था की ओर से उन्हें यह आश्वासन भी दिया गया कि भविष्य में हॉस्पिटल में मरीजों की सुविधा एवं जनहित के लिए किसी आवश्यक वस्तु

अथवा अन्य सेवा सामग्री की आवश्यकता होने पर, श्री सांई नाथ जन सेवा समिति अपनी क्षमता एवं संसाधनों के अनुसार उस आवश्यकता को पूरा करने के लिए सदैव तत्पर रहेगी।

संस्था का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद, असहाय एवं पीड़ित लोगों तक यथासंभव सहायता पहुंचाना तथा मानव सेवा के माध्यम से अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करना है। समिति द्वारा समय–समय पर समाजहित एवं जनकल्याण के अनेक सेवा कार्य निरंतर किए जाते रहे हैं।

ज्ञातव्य है कि श्री सांई नाथ जन सेवा समिति द्वारा पूर्व में भी हॉस्पिटल की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए 4 नग कूलर प्रदान किए गए थे। इसके अतिरिक्त मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए चाय–बिस्किट वितरण, फल वितरण तथा अन्य आवश्यक सेवा कार्य भी संस्था द्वारा किए जाते रहे हैं। संस्था केवल अस्पताल सेवा तक ही सीमित नहीं है, बल्कि जरूरतमंद लोगों की सहायता, रक्तदान के प्रति जनजागरूकता, जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की व्यवस्था, रक्तदान शिविरों का आयोजन, स्वास्थ्य जागरूकता एवं विभिन्न सामाजिक एवं मानवीय सेवा कार्यों में भी निरंतर सक्रिय भूमिका निभाती रही है।

इस अवसर पर संस्था की ओर से सलाहकार, मार्गदर्शक एवं सम्मानित सदस्यगण के रूप में एन. एन. राव जी, एम. वी. राव जी, के. उमाशंकर राव जी, संदीप गुप्ता जी, एम. पापाराव जी, जगमैंया जी, डी. येसैया, वी. तिरुपति, सीएच. अप्पलस्वामी जी, जी. माधव राव, श्रीनिवास, पी. भरत, सुजल जायसवाल एवं एम. कोटेश्वर राव सहित अन्य सदस्यों ने उपस्थित होकर इस पुनीत सेवा कार्य में अपनी सहभागिता प्रदान की।

आईआईटी भिलाई में हिंदी माह के अंतर्गत काव्य सम्मेलन का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई में चल रहे हिंदी माह के अंतर्गत काव्य सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी स्वरचित कविताओं के माध्यम से हिंदी भाषा के प्रति अपने प्रेम, लगाव एवं भावनाओं को प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त किया।

काव्य सम्मेलन में प्रतिभागियों ने विभिन्न विषयों एवं रसों पर आधारित अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कीं। उनकी कविताओं में भाषा, साहित्य, संस्कृति एवं जीवन के विविध पक्षों की भावपूर्ण अभिव्यक्ति के साथ–साथ हास्य–व्यंग्य और वीर रस की

प्रभावशाली झलक भी देखने को मिली। हास्य–व्यंग्य से सजी रचनाओं ने श्रोताओं को खूब आनंदित किया, वहीं वीर रस की कविताओं ने उत्साह और जोश का संचार किया। कार्यक्रम के दौरान काव्य–पाठ का वातावरण साहित्यिक उत्साह, सृजनात्मक ऊर्जा और भावनाओं की विविधता से भर गया। हिंदी माह के अंतर्गत आयोजित यह कार्यक्रम संस्थान में हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करने तथा भाषा, साहित्य और संस्कृति के प्रति सकारात्मक वातावरण निर्मित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

खास खबर

विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग से जशपुर के युवाओं को मिलेगा राष्ट्रीय मंच

जशपुर। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की पहल 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' के माध्यम से जशपुर जिले के युवाओं को अपनी प्रतिभा, नवाचार और नेतृत्व क्षमता को राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित इस पहल में युवाओं को विकसित भारत के निर्माण को लेकर अपने विचार और दृष्टिकोण साझा करने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। जशपुर जिले में भी मेरा युवा भारत के माध्यम से युवाओं को इस अभियान से जोड़ने के लिए विभिन्न जागरूकता एवं सहभागिता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। जिले के युवा 25 सितंबर 2026 तक आयोजित क्विज में भाग लेकर इस महत्वपूर्ण पहल का हिस्सा बन सकते हैं। इस पहल की प्रक्रिया क्विज से प्रारंभ होकर जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचेगी। विभिन्न चरणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं को अपनी प्रतिभा, विचारों और नेतृत्व क्षमता को व्यापक मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग का उद्देश्य युवाओं को केवल कार्यक्रमों में सहभागी बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें नीति निर्माण, नवाचार और राष्ट्र विकास के सक्रिय भागीदार के रूप में तैयार करना है। शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार, उद्यमिता, प्रौद्योगिकी, पर्यावरण और सामाजिक विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर युवाओं के विचारों एवं सुझावों को इस पहल के माध्यम से प्रोत्साहित किया जाएगा। मेरा युवा भारत, जशपुर ने जिले के सभी पात्र युवाओं, युवा संगठनों एवं शैक्षणिक संस्थानों से जुड़े युवाओं से अपील की है कि वे 25 सितंबर से पहले क्विज में भाग लें।

मां के सम्मान में लगाया गया प्रत्येक पौधा प्रकृति संरक्षण के संकल्प का प्रतीक : उप मुख्यमंत्री साव

श्रीकंचनपथ समाचार

जगदलपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने जगदलपुर में जनजातीय गौरव वाटिका कुम्हड़ाकोट में 'एक पेड़ मां के नाम 3.0' हरित राष्ट्रीय राजमार्ग पौधारोपण कार्यक्रम में पौधारोपण किया। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप और स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने भी अभियान के तहत पौधे लगाए।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि मां के सम्मान में लगाया गया प्रत्येक पौधा प्रकृति के संरक्षण के संकल्प का प्रतीक है। जगदलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर ढाई हजार से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। नगर निगम और वन विभाग के संयुक्त प्रयासों से यह वृहद अभियान चलाया जा रहा है। राष्ट्रीय मार्ग के डिवाइडर और किनारे पौधारोपण से शहर की हरियाली बढ़ेगी। इससे पर्यावरण के संरक्षण के साथ

जगदलपुर की सुंदरता भी निखरेगी।

श्री साव ने कहा कि बस्तर में शांति और विकास का वातावरण बनने से देश-दुनिया से पर्यटकों का आगमन बढ़ रहा है। ऐसे में जगदलपुर को सुंदर और सुविधायुक्त बनाने के लिए हरित वातावरण जरूरी है। उन्होंने इस महत्वपूर्ण पहल के लिए वन विभाग और जगदलपुर नगर निगम को बधाई दी।

उल्लेखनीय है कि एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की थी। इसका प्रमुख उद्देश्य माताओं के प्रति प्रेम, सम्मान और कृतज्ञता प्रकट करते हुए पर्यावरण का संरक्षण करना था। पर्यावरण की सुरक्षा ग्लोबल वार्मिंग से निपटने और धरती को हरा-भरा बनाए रखने के लिए भी जरूरी है। इसे एक अभियान की तरह चलाया जा रहा है ताकि नागरिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित हो सकें।

बस्तर से ऑक्सफोर्ड तक फैली ख्याति

छत्तीसगढ़ की पहली सामाजिक विज्ञान प्रयोगशाला के निर्माता विनायक कोहली बने 'युवा बेस्ट टीचर'

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। ऑक्सफोर्ड सईद बिजनेस स्कूल एवं शिव नादर फाउंडेशन द्वारा आयोजित इंडियाज बेस्ट टीचर्स अवार्ड्स 2026 में भूगोल श्रेणी का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने वाले पीएम-श्री केन्द्रीय विद्यालय कोण्डागांव के सामाजिक विज्ञान शिक्षक विनायक कोहली का मंगलवार को कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी नूपुर राशि पन्ना द्वारा कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई तथा अपर कलेक्टर अजय उरांव एवं जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारीगण, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारीगण, विद्यालयों के प्राचार्यगण, शिक्षकगण तथा विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

लगभग तीस मिनट के अपने प्रस्तुतिकरण की शुरुआत श्री कोहली ने भरतनाट्यम की पारम्परिक नमस्कारम मुद्रा से की। सात वर्षों से भरतनाट्यम का प्रशिक्षण प्राप्त कोहली ने इस माध्यम से अपनी बात का मूल संदेश उपस्थित शिक्षकों तक पहुँचाया उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिक्षक के पास अपने विषय से परे भी कोई न कोई कला, कौशल अथवा रुचि होती है, और उसे कक्षा-शिक्षण से जोड़ देने पर अध्यापन कहीं अधिक प्रभावी और जीवंत हो जाता है।

श्री कोहली ने बताया कि इस राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए देशभर से नौ हज़ार पाँच सौ से अधिक शिक्षकों ने आवेदन किया था। चयन प्रक्रिया तीन चरणों में सम्पन्न हुई। अंतिम चरण के लिए उन्हें दिल्ली आमंत्रित किया गया, जहाँ ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों एवं अन्य विशिष्टजनों के समक्ष उन्होंने अपना प्रस्तुतिकरण दिया। इसी प्रस्तुतीकरण के आधार पर उन्हें भूगोल श्रेणी में देश का सर्वश्रेष्ठ शिक्षक चुना गया।

श्री कोहली ने कहा कि इस उपलब्धि का श्रेय अकेले उन्हें नहीं, बल्कि कोण्डागांव की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, यहाँ के शिल्पकारों-कलाकारों तथा उनके विद्यार्थियों को जाता है। बस्तर की मिट्टी, यहाँ की शिल्पकला और स्थानीय परम्पराओं को अपने विषय-ज्ञान से जोड़कर ही वे इस विषयवस्तु को अंतरराष्ट्रीय मंच तक ले जा सके। उन्होंने कहा कि कोण्डागांव की संस्कृति को इस स्तर पर प्रस्तुत कर पाना उनके लिए गर्व का विषय है।

अपने प्रस्तुतिकरण में श्री कोहली ने विद्यालय में अपनाई जा रही अनेक नवाचारी शिक्षण पद्धतियों को साझा किया, जिनमें प्रमुख रूप से सम्मिलित थीं, जिसमें 'सामाजिक विज्ञान प्रयोगशाला, जो सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में अपनी तरह की पहली प्रयोगशाला है, बस्तर आर्ट म्यूज़ियम कॉर्नर, भूमिका-निर्वाह (रोल-प्ले) आधारित गतिविधियाँ, विद्यार्थियों के साथ नियमित ध्यान (मेडिटेशन) सत्र, युवा संसद का आयोजन, मानचित्रण (मैपिंग) गतिविधियाँ, मृदा नमूना संग्रहण कार्य, कला-एकीकृत शिक्षण हेतु भरतनाट्यम का उपयोग' जैसे नवाचार शामिल है। उन्होंने पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय कोण्डागांव में अन्य शिक्षकों द्वारा अपनाई जा रही उत्कृष्ट शिक्षण पद्धतियों का भी उल्लेख किया।

श्री कोहली ने बच्चों में बहुत कम आयु से ही मोबाइल फोन तथा अन्य उपकरणों पर बढ़ती निर्भरता पर गम्भीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इससे बच्चों की सोचने-समझने की क्षमता कमज़ोर हो रही है। इसका समाधान बताते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सिद्धांतों तथा जीन पियाजे जैसे मनोवैज्ञानिकों के रचनावादी दृष्टिकोण को अपनाते हुए हस्त-कौशल आधारित, अनुभवात्मक तथा खिलौना-आधारित आनंददायी शिक्षण गतिविधियों को कक्षा में स्थान देना चाहिए। श्री कोहली ने विद्यार्थी-केन्द्रित शिक्षण पर बल दिया। उन्होंने कहा कि नीति में शिक्षकों के कल्याण को भी महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है, और समाज में शिक्षकों को सम्मान मिलना उतना ही आवश्यक है जितना विद्यार्थियों की प्रगति। शिक्षण को राष्ट्रीय सेवा के रूप में देखा जाना चाहिए, तथा इस पेशे की गरिमा बनाए रखना जरूरी है।

10 दिवसीय चक्रधर समारोह के लिए ईवेन्ट कैलेंडर जारी

■ शास्त्रीय नृत्य, पंडवानी, लोकसंगीत, कबीर भजन, गजल और वाद्य वादन से गुलजार होगा रायगढ़

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। महाराजा चक्रधर सिंह की कला-साधना और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को समर्पित 41वें अंतर्राष्ट्रीय चक्रधर समारोह-2026 में इस बार कला और संस्कृति के विविध रंग एक साथ देखने को मिलेंगे। रामलीला मैदान में 14 से 23 सितम्बर तक आयोजित इस दस दिवसीय सांस्कृतिक महाकुंभ में स्थानीय प्रतिभाओं से लेकर देश-प्रदेश के सुप्रसिद्ध कलाकार अपनी कला का जादू बिखेरेंगे। प्रस्तुतियां प्रतिदिन शाम 6 बजे शुरू होंगी।

समारोह का शुभारंभ 14 सितम्बर को वेदमणि सिंह ठाकुर के शिष्यों द्वारा गणेश वंदना की प्रस्तुति से होगा। इसके बाद पद्मश्री सम्मानित अनुज शर्मा लोक कला एवं संगीत की प्रस्तुति देंगे। वहीं पद्मश्री सम्मानित डॉ. उषा बारले अपनी पंडवानी प्रस्तुति से पहली सांस्कृतिक संध्या को यादगार बनाएंगी।

15 सितम्बर की शाम में निशित गंगानी का तबला वादन, टी. लक्ष्मी रेड्डी की कुचिपुड़ी प्रस्तुति, स्टार्क सोसाइटी बाड़मेर की राजस्थानी फोक प्रस्तुति और तरुणा साहू एवं समूह की पंडवानी प्रस्तुति होगी। इसके साथ माधवरस बैंड द्वारा भजन गायन की प्रस्तुति सांस्कृतिक संध्या को भक्तिरस से सराबोर करेगी।

16 सितम्बर को छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति और शास्त्रीय नृत्य की विविधता मंच पर दिखाई देगी। मौमाला नायक कथक की प्रस्तुति देंगी। भूपेन्द्र साहू एवं समूह छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य प्रस्तुत करेंगे। डॉ. यास्मीन सिंह एवं समूह तथा सुश्री विभूति शर्मा द्वारा कथक की प्रस्तुतियां होंगी, जबकि पायल साहू एवं समूह लोककला के रंग बिखेरेंगे।

17 सितम्बर की शाम लोककला एवं संगीत के साथ शास्त्रीय नृत्य की अनेक विधाओं का संगम देखने को मिलेगा। बादल-बस्तर अकादमी ऑफ डांस, आर्ट्स एवं लिटरेचर द्वारा लोक कला एवं संगीत की प्रस्तुति होगी। मधुमिता रॉय मिश्रा कथक और जान्हवी बेहरा ओडिसी नृत्य प्रस्तुत करेंगी। शिवरंजनी हरीश एवं कलार्पणा नृत्य समूह पद्म भूषण शोभना के शिष्यगण भरतनाट्यम की प्रस्तुति देंगे। शिव शक्ति कला संस्थान द्वारा कथक की प्रस्तुति भी होगी।

18 सितम्बर को डॉ. मंजू इलंगबम मणिपुरी नृत्य प्रस्तुत करेंगी। पद्मश्री सम्मानित श्री भारती बंधु कबीर भजनों से आध्यात्मिक वातावरण निर्मित करेंगे। श्वेता नायक एवं समूह कुचिपुड़ी तथा श्री अनुराग शर्मा लोकसंगीत की प्रस्तुति देंगे।

19 सितम्बर कला और साहित्य के प्रेमियों के लिए खास होगी। गौरी शंकर दाश और रीला होता ओडिसी नृत्य की प्रस्तुतियां देंगी। वहीं पद्मश्री सम्मानित श्री सुरेन्द्र शर्मा एवं अन्य कलाकार काव्य संध्या के माध्यम से हास्य और साहित्य का रंग भरेंगे। नृत्य और काव्य का यह संगम समारोह की शाम को विशिष्ट बनाएगा।

20 सितम्बर को बी. साहू एवं समूह गोटीपुआ नृत्य प्रस्तुत करेंगे। इंडियन आइडल फेम अमित साना अपनी गायन प्रस्तुति से संगीत प्रेमियों का मनोरंजन करेंगे। वहीं पद्मश्री सम्मानित रामलाल बरेठ के निर्देशन में भूपेन्द्र बरेठ एवं समूह कथक नृत्य प्रस्तुत करेंगे। लोकनृत्य, लोकप्रिय गायन और शास्त्रीय नृत्य का यह संगम दर्शकों के लिए खास आकर्षण रहेगा।

21 सितम्बर की शाम बनारस घराने के कथक से लेकर वाद्य संगीत तक विविध प्रस्तुतियों से सजेगी। श्री रूद्रशंकर सिन्हा बनारस घराने का कथक प्रस्तुत करेंगे। श्री सोनू गुप्ता एवं समूह लोकगीत, वांसती वैष्णव एवं समूह कथक प्रस्तुत करेंगे। त्रिवेणी संगम द्वारा संतूर, पखावज और तबला वादन होगा। संस्कार कला संघ नृत्य नाटिका तथा नृत्यांजलि बनारस घराने के कथक की प्रस्तुति देगी।

22 सितम्बर की शाम शास्त्रीय नृत्य, वाद्य संगीत और सूफियाना अंदाज के नाम रहेगी। गुरु कोट्टक्कल नंदकुमारन नायर कथकली, सुश्री दीक्षा रथ ओडिसी नृत्य और प्रो. डॉ. लवली शर्मा सितार वादन प्रस्तुत करेंगी। श्री पुनरिक साहू-लहरंगगा लोक संगीत की प्रस्तुति देंगे, जबकि रायगढ़ के राकेश शर्मा सूफी गायन और गजल से शाम को सुरमयी बनाएंगे।

23 सितम्बर को भव्य समापन होगा। अंतिम शाम देश की सुप्रसिद्ध और पद्मश्री सम्मानित गायिका कविता कृष्णमूर्ति अपनी सुरमयी प्रस्तुति देंगी। उनके साथ जान कुमार सानू भी गायन की प्रस्तुति देंगे। देश के लोकप्रिय कलाकारों के सुरों से सजी यह शाम 41वें चक्रधर समारोह की यादों को लंबे समय तक दर्शकों के दिलों में संजोए रखेगी।

चक्रधर समारोह केवल सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन नहीं, बल्कि महाराजा चक्रधर सिंह की कला-साधना, संगीत और नृत्य के प्रति उनके समर्पण तथा छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण मंच है। स्थानीय कलाकारों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों के सामने प्रस्तुति का अवसर मिलेगा।

कृषि मंत्री नेताम के निवास में पोला का भव्य आयोजन

रायपुर। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम के शासकीय निवास परिसर में छत्तीसगढ़ का पारंपरिक पोला तिहार का भव्य आयोजन किया गया। मंत्री श्री नेताम ने इस अवसर पर भगवान शिव के स्वरूप बैल जोड़ों का विधि-विधान से पूजा-अर्चना किया। उन्होंने प्रदेशवासियों को पोला तिहार की बधाई और शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर कृषि मंत्री श्री नेताम की धर्मपत्नी भी उपस्थित थीं।

भखारा में बैंक ऑफ बड़ौदा के मेगा क्रेडिट कैंप में 32 करोड़ का ऋण स्वीकृत

रायपुर। धमतरी जिले के भखारा में बैंक ऑफबड़ौदा द्वारा आयोजित मेगा क्रेडिट कैंप ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था, महिला सशक्तिकरण और कृषि उद्यमिता को नई दिशा दी है। वित्तीय समावेशन को धरातल पर उतारने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में 476 हितग्राहियों को कुल 32 करोड़ रुपए की ऋण सहायता स्वीकृत एवं वितरित की गई।

इस पहल के माध्यम से किसानों, स्वयं सहायता समूहों, महिलाओं तथा स्थानीय उद्यमियों को सीधे तौर पर संस्थागत बैंकिंग सुविधाओं से जोड़कर आर्थिक संबल प्रदान किया गया। कार्यक्रम में स्वीकृत ऋृण राशि का मुख्य हिस्सा कृषि और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को मजबूत करने में गया, जिसके तहत फूड एवं एग्रो प्रोसेसिंग से संबंधित 7 प्रकरणों में सर्वाधिक 16 करोड़ रुपए की भारी-भरकम राशि स्वीकृत की गई। इसके अलावा ग्रामीण कृषि तंत्र को मजबूती देने के लिए 211 किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से 6 करोड़ रुपए और ट्रैक्टर तथा हार्वेस्टर जैसे कृषि टर्म लोन के 69 मामलों में 5 करोड़ रुपए का ऋण दिया गया। वहीं महिला सशक्तिकरण और स्व-रोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 155 स्वयं सहायता समूहों को 5 करोड़ रुपए तथा बैंक ऑफ बड़ौदा नारी शक्ति योजना के 34 प्रकरणों में 84 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई। कलेक्टर धमतरी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग संस्थानों द्वारा आयोजित ऐसे क्रेडिट कैंप न केवल वित्तीय समावेशन को मजबूत करते हैं, बल्कि स्थानीय उद्यमियों और किसानों के लिए आर्थिक समृद्धि के नए द्वार भी खोलते हैं। उन्होंने ऋण राशि का उपयोग निर्धारित उत्पादक गतिविधियों में करने की सीख दी।

युवा नशे से दूर रहकर राष्ट्रनिर्माण में लगाएं अपनी ऊर्जा : डेका

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में 'नशा मुक्त युवा-विकसित भारत' संकल्प अभियान के अंतर्गत विगत एक माह से आयोजित विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आज समापन हुआ। कार्यक्रम में कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्री रमेन डेका मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि भारत युवाओं का देश है। किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा पीढ़ी होती है। युवा देश का भविष्य ही नहीं, बल्कि वर्तमान की भी महत्वपूर्ण शक्ति हैं। उनके विचार, संकल्प और सपने राष्ट्र की दिशा तय करते हैं। इसलिए युवा शक्ति को नशे जैसी बुराइयों से बचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 अगस्त 2026 को युवाओं को नशामुक्त बनाने और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के उद्देश्य से इस महाअभियान की शुरुआत की

है। नशे के विरुद्ध लड़ाई केवल सरकार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। आज पारंपरिक नशे के साथ सूखे नशे का चलन भी बढ़ रहा है, जो युवाओं के स्वास्थ्य और भविष्य के लिए गंभीर चुनौती है।

राज्यपाल ने कहा कि नशा व्यक्ति की सही और गलत में अंतर करने की क्षमता को प्रभावित करता है। नशे की गिरफ्त में आए व्यक्ति को दोषी मानने के बजाय उसके प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाते हुए काउंसलिंग और आवश्यकता पड़ने पर उपचार उपलब्ध कराना चाहिए। अधिक नशे से मनोवैज्ञानिक समस्याएं भी उत्पन्न हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में मानसिक स्वास्थ्य एक बड़ी चुनौती बनकर सामने आया है।

श्री डेका ने कहा कि नशे से किसी समस्या का समाधान नहीं होता। जीवन में परीक्षा का दबाव, करियर की चिंता, असफलता का भय और अपेक्षाओं का बोझ जैसी परिस्थितियां आती रहती हैं। इनसे बचने के लिए नशे का सहारा लेना समाधान नहीं है। समस्या से भागना समाधान नहीं, बल्कि उसका सामना करना ही वास्तविक साहस है।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता हार्टफुलनेस आश्रम, हैदराबाद के संचालक त्रिलोचन चावला ने नशा मुक्ति के मनोवैज्ञानिक पहलुओं पर विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को नशा मुक्त भारत अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने की शपथ भी दिलाई। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सच्चिदानंद शुक्ला ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने बताया कि अभियान को सफल बनाने में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और माय भारत वॉलिंटियर्स की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अभियान के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को राज्यपाल ने सम्मानित किया।

पीएम गतिशक्ति पोर्टल पर कार्यशाला आयोजित

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में पीएम गतिशक्ति स्टेट एवं डिस्ट्रिक्ट मास्टर प्लान पोर्टल के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में किया गया। कार्यशाला में उद्योग संचालनालय रायपुर से प्रशिक्षण हेतु सहायक संचालक सुश्री कुमुद मिश्रा एवं जीआईएस एक्सपर्ट श्रीमती प्रिया ने पीएम गतिशक्ति योजना के संबंध में उपस्थित जिला स्तरीय अधिकारियों को विस्तार से जानकारी दी। अधिकारियों को बताया गया कि पीएम गतिशक्ति पोर्टल के माध्यम से विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे अधोसंरचना विकास कार्यों की बेहतर योजना एवं निगरानी की जा सकती है। साथ ही स्थान की उपलब्धता, एनओसी आदि भी पोर्टल से प्राप्त की जा सकेगी।

सैफ ने सुनाई अक्षय से दोस्ती की कहानी, पहली बार कहां मिले थे दोनों? 18 साल बाद 'हैवान' में आए साथ

फिल्म 'हैवान' सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इसमें अक्षय कुमार और सैफअली खान 18 साल बाद साथ काम करते नजर आएंगे। दोनों की दोस्ती की कहानी तीन दशक से भी ज्यादा पुरानी है।

सैफ अली खान और अक्षय कुमार 18 साल बाद फिर एक फिल्म में साथ नजर आने वाले हैं। दोनों की पिछली फिल्म 'टशन' थी, जो 2008 में रिलीज हुई थी। हालांकि, 'हैवान' से साथ वापसी करने वाली यह जोड़ी वैसी नहीं है, जैसी दर्शकों ने पहले देखी थी। इस बार सैफ हीरो हैं और अक्षय नेगेटिव रोल में हैं। दिलचस्प बात यह है कि अक्षय ने फिल्म के निर्देशक से यह भूमिका खुद मांगी थी।

'हैवान' दोनों की साथ में छठी फिल्म

बहरहाल, बात करें अक्षय और सैफ की दोस्ती और फिल्मों की तो दोनों अब तक साथ में पांच फिल्में कर चुके हैं। 'हैवान' दोनों की साथ में छठी फिल्म है। दोनों की दोस्ती कब और कहां शुरू हुई? इस बारे में सैफ अली खान ने जिक्र किया।

सैनफ और अक्षय की पहली मुलाकात ओबेरॉय होटल की एक लिफ्ट में हुई थी। दोनों उस समय अपने करियर की शुरुआत कर रहे थे। उसी दौर को याद करते हुए सैफने कहा, 'मैं अक्षय को एकदम शुरुआत से जानता हूं। पहली बार मैंने उनको ओबेरॉय होटल की एक लिफ्ट में देखा था। उनका भी संघर्ष चल रहा था और मैं भी सोचता था कि किससे मिलूं, कैसे अपना करियर शुरू करूं? हम दोनों के लिए वह एक सा ही समय था।'

सैफबताते हैं कि पहली मुलाकात में ही दोनों को यह अंदाजा हो गया था कि उनके स्वभाव एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। सैफ ने कहा, 'वो शुरू से अपने काम को लेकर बहुत गंभीर थे और मैं बहुत नासमझ था, मजाकिया था और बेपरवाह था। हम दोनों एक-दूसरे को देखकर हंसते थे कि बिल्कुल अलग तरह के लोग हैं। फिर हम दोनों की पहली फिल्म की शूटिंग का मौका आया। हमने शिमला में करीब 40 दिन साथ बिताए और यहीं से हमारी दोस्ती गहरी होती चली गई।'

'ये दिल्लगी', 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' और बाद में 'टशन' तक दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया। सैफ इस रिश्ते को बड़े-छोटे भाई जैसा बताते हैं। उन्होंने कहा, 'अक्षय के साथ मैंने बहुत अच्छी फिल्में की हैं। लेकिन वो पुराने दिनों की याद दिलाने वाली बातें थीं। 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' और 'ये दिल्लगी' खासकर। हमारी रिलेशनशिप भी बड़े-छोटे नटखट भाई की तरह रहा है। इसके बाद साल 2008 में 'टशन' आई। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर नहीं चली, लेकिन हम दोनों के रिश्ते में कोई बदलाव नहीं आया। उसके बाद करीब 18 साल तक हम दोनों को साथ काम करने का अच्छा मौका नहीं मिला।'

अक्षय ने खुद कहा- क्या यह रोल मैं कर लूं?

'हैवान' में अक्षय की एंट्री का किस्सा भी कम दिलचस्प नहीं है। फिल्म के दूसरे किरदार के लिए कुछ अभिनेताओं से बातचीत चल रही थी। इसी दौरान प्रियदर्शन, अक्षय के साथ शूटिंग कर रहे थे। सैफ ने बताया, 'यह फिल्म जब प्रियदर्शन जी ने पहले मुझे ऑफर की थी, तो दूसरे किरदार के लिए कोई तय नहीं था। उन्होंने दो अभिनेताओं से बात की थी, जिनके कुछ मसले थे। जब बातचीत चल रही थी, प्रियदर्शन जी अक्षय जी के साथ शूटिंग कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दूसरा किरदार अभी तक तय नहीं हुआ। तो अक्षय एक सीन देने के बाद बोले- क्यों ना यह रोल मैं खुद कर लूं?

सैफ ने आगे कहा, 'प्रियदर्शन जी ने अक्षय से पूछा कि क्या वह वाकई यह रोल करना चाहते हैं? क्योंकि यह एक नेगेटिव रोल है तो अक्षय ने जवाब दिया हां, मुझे मजा आएगा। यह बात जब प्रियदर्शन जी ने मुझे फोन करके बताई तो पहले मुझे यकीन नहीं हुआ। फिर लगा, ये तो हमारे लिए बहुत अच्छा होगा। तो मैंने इसे फिर तोहफा की तरह लिया कि अक्षय कुमार जैसे बड़े सितारे ने उस फिल्म के लिए हां कह दी जिसमें मैं लीड हीरो हूं।'

सैफ बताते हैं कि कितनी भी समय क्यों ना गुजर जाए। अक्षय से मिलते ही वो फिर से वापस उसी दौर में पहुंच जाते हैं। सैफ ने कहा, 'अभी भी हम दोनों में वही बचपना है। प्रियदर्शन भी बोलते हैं कि तुम दोनों बच्चे की तरह क्यों बन जाते हो? वही बचकानी बातें करना और सब। जब भी मिलते हैं, वो एहसास वापस आ जाता है। इतने साल में बहुत कुछ बदल गया, लेकिन अक्षय के साथ बैठते ही वही पुरानी बातें लौट आती हैं।'

भूत पिशाच का नाश्ता और खतरनाक अंदाज, 'डायन' बहू बनकर ससुराल पहुंचीं यामी गौतम

बीते महीने यामी गौतम की नई फिल्म 'नई नवेली' का एलान किया गया था। आज फैंस को एक और तोहफा मिला है। 'नई नवेली' का टीजर जारी किया गया है। यह एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है और टीजर की छोटी सी झलक काफी दिलचस्प है।

देवर ने खोली भाभी की पोल पट्टी

फिल्म के टीजर की शुरुआत एक मध्यम वर्गीय भरे-पूरे संयुक्त परिवार के साथ होती है। सभी बैठे हैं, तभी अचानक से एक शख्स आवाज लगता है, 'जूते चप्पल, नुकीली वस्तुएं सब उतारकर रख दीजिए'। यह आवाज लगाने वाला शख्स दरअसल, घर में आई नई बहू मोहिनी (यामी गौतम) का देवर बंटू है। बंटू से इस तरह बात किए जाने पर परिवार के सदस्य हैरानी से पूछते है, 'बात क्या है'? जवाब मिलता है, 'बात भाभी के बारे में है'। सब परेशान होते हैं कि मोहिनी को क्या हुआ? अगले दृश्य में बंटू एक खुलासा करता है और कहता है, 'भाभी डायन है'। परिवार के सभी सदस्य डांटते हैं और बंटू को एक चांटा भी रसीद किया जाता है।

'नाश्ते में खाती हूं भूत-पिशाच'

इसके बाद यामी गौतम की एंट्री होती है। चटख लाल रंग की साड़ी में नई-नवेली दुल्हन के अवतार में यामी बड़े ही कूल अंदाज में कहती हैं, 'बस डायन? दो डायन, तीन पिशाच और चार भूत तो मैं सुबह नाश्ते में खा जाती हूं'। यामी गौतम आगे कहती हैं, 'देवियों और सज्जनों, एक छोटी सी गुजारिश है, 'बड़ा सोचो''। यामी के इस संवाद ने दर्शकों को स्पष्ट संदेश दे दिया है कि इस हॉरर फिल्म में सस्पेंस और थ्रिल का डोज उनकी उम्मीद से भी बढ़कर मिलने वाला है। बता दें कि यह फिल्म इस साल दशहरा पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के निर्माता आनंद एल. राय हैं। निर्देशन की कमान बालाजी मोहन ने संभाली है।

'दृश्यम 2' को लेकर तब्बू को था कैसा डर?

ट्रेलर लॉन्च इवेंट में किया जिक्र बोलीं- 'कोविड में सब ने'

फिल्म 'दृश्यम 3' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट पर अभिनेत्री तब्बू ने फिल्म 'दृश्यम 2' की रिलीज के समय को याद किया। उन्होंने बताया कि मोहनलाल के मलयालम वर्जन के लॉन्च होने के बाद लोगों ने इस फिल्म को लेकर कई तरह के सवाल किए। जानें क्या बोलीं तब्बू...

तब्बू को क्या थी फिक्र ?

फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में तब्बू ने कहा, 'जब दूसरा पार्ट रिलीज होने वाला था, वो महामारी के बाद का वक्त था। वहीं कोविड के दौर में मलयालम वर्जन पहले ही रिलीज हो चुका था। उस समय कई लोग और मेरे कुछ दोस्तें ने मुझसे कहा कि यह फिल्म तो पहले ही आ गई है, अब इसे कौन देखने जाएगा? यह मेरे लिए सच में बहुत चिंता की बात थी। मुझे भी लगा था कि शायद कोई देखने नहीं जाएगा। मैं भी बस इंतजार कर रही थी और देखना चाहती थी कि क्या होता है?'

फिल्म को लेकर उलझन में थीं एक्ट्रेस

आगे तब्बू ने बताया कि उन्हें भी काफी वक्त तक लगता रहा कि कोई भी फिल्म देखने नहीं जाएगा। एक्ट्रेस ने कहा, 'मुझे सच में लग रहा था कि शायद कोई दूसरा पार्ट देखने नहीं जाएगा।

मैं भी उस वक्त बहुत उलझन में थी, क्योंकि महामारी के तुरंत बाद का समय था और हमें भी नहीं पता था कि चीजें किस तरफ जाएंगी। उस दौरान सिनेमा के भविष्य को लेकर हर जगह चर्चा हो रही थी और काफी अनिश्चितता थी। तो मुझे भी लगता था कि शायद लोग ये फिल्म देखने नहीं जाएंगे, क्योंकि महामारी के दौरान सबने मलयालम वर्जन देख लिया है।'

कब रिलीज होगी 'दृश्यम 3'?

'दृश्यम: द कन्क्लूजन' 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

फिल्म को दशहरा और दिवाली के आसपास मिलने वाली लंबी छुट्टियों का भी फायदा मिल सकता है। फिल्म का निर्देशन अभिषेक पाठक ने किया है। गोवा में हाल ही में फिल्म का ट्रेलर लॉन्च इवेंट आयोजित किया गया था। इसमें अजय देवगन समेत तब्बू, श्रिया सरन और रजत कपूर भी मौजूद रहे।

पलक तिवारी का बोल्ड ट्रेडिशनल लुक वायरल सिजलिंग तस्वीरों से इंटरनेट पर मचा तहलका

बॉलीवुड की उभरती हुई स्टार और फैशन आइकन पलक तिवारी जब भी सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें शेयर करती हैं, वह देखते ही देखते वायरल हो जाती हैं। हाल ही में पलक ने अपनी सिजलिंग तस्वीरों से इंटरनेट का तापमान बढ़ा दिया है। तस्वीरों में पलक तिवारी ट्रेडिशनल और वेस्टर्न फ्यूजन का परफेक्ट कॉम्बिनेशन पेश करती नजर आ रही हैं।

पलक तिवारी के इस स्टनिंग आउटफिट की बात करें तो उन्होंने पेस्टल पिंक और आइवरी टोन का बेस वाला लहंगा पहना है। लहंगे पर पर्पल, मैजेंटा और स्पार्कलिंग बीड्स व सीक्वेंस की बारीक और भारी हैंड एंब्रॉयडरी की गई है।

लहंगे का सबसे मुख्य आकर्षण उनका अपर अटायर है। पलक ने प्लंजिंग नेकलाइन और ऑफ-शोल्डर स्टाइल वाली क्रिस्टल एंब्रॉयडर्ड कोर्सेट चोली कैरी की है। इस स्ट्रैपलेस-लुक चोली पर बारीक मोतियों का काम और शीर नेट की लेयरिंग दी गई है। साथ ही लहंगे के साथ मैचिंग शीर दुपट्टा फर्श तक लहराता हुआ उनके लुक में एक रॉयल और एथिरियल टच जोड़ रहा है।

इस पूरे फोटोशूट में पलक तिवारी के पोज और फेशियल एक्सप्रेशंस मुख्य आकर्षण हैं। उनकी नशीली और कातिलाना निगाहें किसी को भी अपना दीवाना बनाने के लिए काफी हैं। पलक की पतली कमर, परफेक्ट टोंड फिगर और बोल्ड सिड्यूसिंग पोजेस हर फोटो को और अधिक अट्रैक्टिव बना रहे हैं।

पलक तिवारी के ब्यूटी और मेकअप लुक ने उनके इस आउटफिट को और ज्यादा निखार दिया है। उन्होंने अपने आउटफिट से मैच करता हुआ मोनोक्रोमैटिक पर्पल और मेश पिंक आईशैडो इस्तेमाल किया है। बालों को उन्होंने मिडिल पार्टीशन के साथ सॉफ्ट बाउंसी वेव्स में खुला छोड़ा है।

अपने इस हैवी और अट्रैक्टिव लुक को बैलेंस करने के लिए पलक ने मिनिमल ज्वैलरी चुनी है। उन्होंने गले को पूरी तरह खाली रखा है ताकि कोर्सेट का कट और कटआउट हाइलाइट हो सके, जबकि कानों में डैंगलर इयररिंग्स और हाथों में स्टेटमेंट पर्पल रिंग्स पहनकर अपने लुक को पूरा किया है।

पलक तिवारी का यह ग्लैमरस अवतार पोस्ट होते ही सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। फैंस कमेंट सेक्शन में फायर और हार्ट वाले इमोजी की बारिश कर रहे हैं। कोई उन्हें स्टनिंग कह रहा है तो कोई बॉलीवुड की अगली फैशन क्वीन।

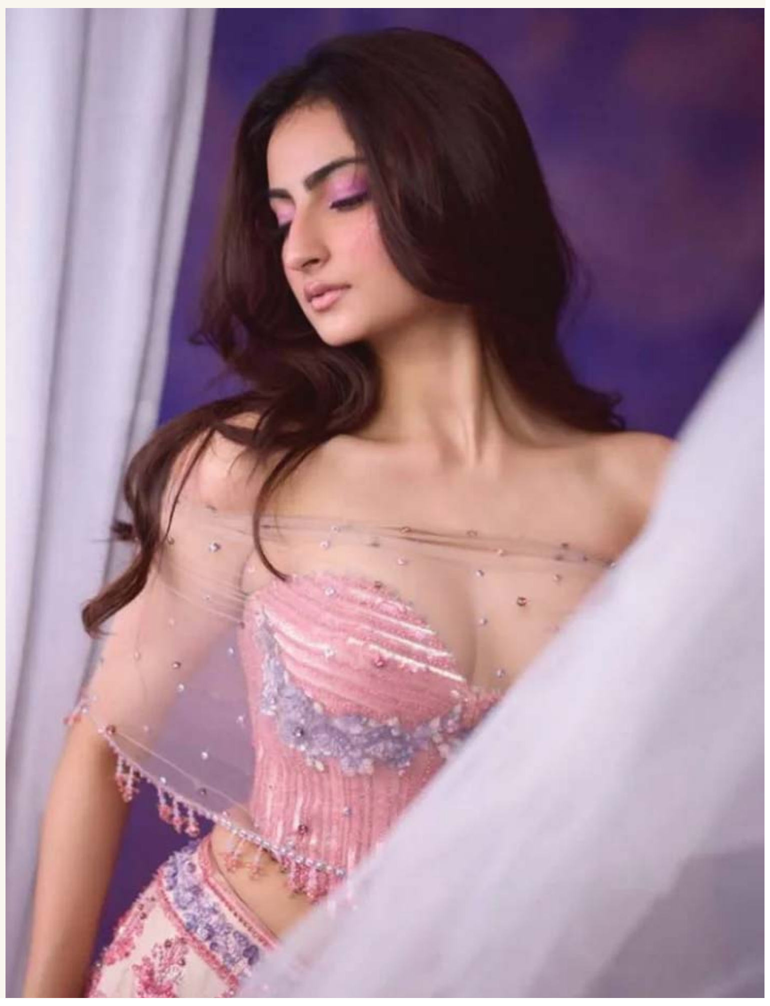

बच्चों के लिए टूथपेस्ट खरीदते समय इन 5 बातों का रखें ध्यान

बच्चों के दांतों की सही देखभाल करना बहुत जरूरी है। उनके दांतों को मजबूत और स्वस्थ बनाए रखने के लिए सही टूथपेस्ट का चुनाव करना अहम होता है। बच्चों के लिए ऐसा टूथपेस्ट चुनें, जो उनके नाजुक दांतों की सुरक्षा करे और उनकी सेहत को नुकसान न पहुंचाए। कई बार बिना जानकारी के टूथपेस्ट खरीद लिया जाता है, जो सही नहीं होता। इसलिए आइए जानते हैं कि बच्चों के लिए टूथपेस्ट खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

फ्लोराइड वाला टूथपेस्ट क्यों जरूरी है

बच्चों के लिए फ्लोराइड वाला टूथपेस्ट चुनना बहुत जरूरी होता है। फ्लोराइड दांतों को सडने से बचाने में मदद करता है और दांतों की बाहरी परत को मजबूत बनाता है।

यह दांतों में कैविटी बनने से रोकता है और उन्हें लंबे समय तक स्वस्थ बनाए रखता है। जब भी बच्चों के लिए टूथपेस्ट खरीदें तो यह जरूर जांच लें कि उसमें फ्लोराइड की सही मात्रा हो।

शक्कर रहित टूथपेस्ट का करें चयन

बच्चों के लिए टूथपेस्ट हमेशा ऐसा होना चाहिए, जिसमें शक्कर न हो। शक्कर दांतों की सडन् का मुख्य कारण होती है। अगर टूथपेस्ट में शक्कर होगी तो वह दांतों को साफ करने के बजाय नुकसान पहुंचा सकती है। शक्कर रहित टूथपेस्ट दांतों को सुरक्षित रखता है और बच्चों के मसूड़ों को भी दिक्कत से बचाता है। ऐसे टूथपेस्ट का इस्तेमाल करने से बच्चों के दांत लंबे समय तक मजबूत रहते हैं।

बच्चों की पसंद का स्वाद चुनें

बच्चों के लिए टूथपेस्ट का स्वाद भी बहुत मायने रखता है। अगर टूथपेस्ट का स्वाद बच्चों को पसंद आएगा, तो वे ब्रश करने में रुचि दिखाएंगे। यह उनकी दांत साफ करने की आदत को मजबूत बनाएगा। बाजार में कई तरह के फलों और मीठे स्वाद वाले टूथपेस्ट उपलब्ध हैं, जो बच्चों को आकर्षित करते हैं।

सही स्वाद वाला टूथपेस्ट चुनने से बच्चों को ब्रश करना मजेदार लगेगा और वे इसे नियमित रूप से करेंगे।

पैकेजिंग पर भी ध्यान दें

बच्चों के टूथपेस्ट की पैकेजिंग पर ध्यान देना भी जरूरी है। पैकेजिंग साफ और बच्चों के लिए इस्तेमाल करने में आसान होनी चाहिए। ऐसी पैकेजिंग चुनें, जिससे बच्चे आसानी से टूथपेस्ट निकाल सकें और खुद ब्रश करना सीख सकें। पैकेजिंग पर लिखी जानकारी को पढ़कर यह सुनिश्चित करें कि टूथपेस्ट में कोई हानिकारक चीज न हो।

इसके अलावा बच्चों को आकर्षित करने वाली रंगीन और मजेदार पैकेजिंग भी उनके लिए उपयोगी साबित हो सकती है।

विशेषज्ञ से सलाह लेना बेहतर है

अगर आपको बच्चों के लिए सही टूथपेस्ट चुनने में कोई दुविधा हो, तो किसी विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें। दांतों के डॉक्टर आपकी जरूरतों को समझकर सही विकल्प सुझा सकते हैं। इससे आप गलत टूथपेस्ट खरीदने से बच सकते हैं और आपके बच्चे के दांत स्वस्थ रहेंगे।

विशेषज्ञ की राय लेना बच्चों के दांतों की सुरक्षा के लिए एक समझदारी भरा कदम होता है।

जिम जाने से पहले इन बातों का रखें ध्यान सही कपड़े बनेंगे बेहतर विकल्प

हल्के और आरामदायक कपड़े चुनें

जिम के लिए हमेशा हल्के और आरामदायक कपड़े ही चुनें। इससे आपकी कसरत के दौरान शरीर को राहत मिलेगी और आप बेहतर तरीके से एक्सरसाइज कर सकेंगे। ऐसे कपड़े चुनें, जो आपकी त्वचा को हवा लगने दें और पसीना सोखने में मदद करें। सूती या अन्य हल्के और मुलायम कपड़े इस काम के लिए अच्छे माने जाते हैं। ध्यान रखें कि कपड़े न तो बहुत ढीले हों और न ही बहुत टाइट, ताकि आप आसानी से हर एक्सरसाइज कर सकें।

सही फिटिंग पर दें ध्यान

जिम के कपड़ों की फिटिंग बहुत मायने रखती है। ऐसे कपड़े पहनें जो न ज्यादा ढीले हों और न ही बहुत टाइट। बहुत ढीले कपड़े कसरत के दौरान परेशानी खड़ी कर सकते हैं, और बहुत टाइट कपड़े आपको असहज कर सकते हैं। फिटिंग ऐसी होनी चाहिए, जो आपके शरीर को सहारा दे और आपकी हरकतों को आसान बनाए।

कपड़ों के कपड़े का ध्यान रखें

कपड़ों के लिए सही कपड़ा चुनना भी जरूरी है। ऐसे कपड़े चुनें, जो पसीना सोख सकें और जल्दी सूख जाएं। इससे आपको कसरत के दौरान ठंडक महसूस होगी और आप ज्यादा देर तक एक्सरसाइज कर सकेंगे। सूती कपड़े या हल्के सिंथेटिक कपड़े इस काम के लिए अच्छे होते हैं। इसके अलावा कपड़े का कपड़ा ऐसा हो जो आपकी त्वचा को सांस लेने दे और पसीना जल्दी सूख जाए। सही कपड़े आपकी कसरत को और भी आरामदायक और असरदार बनाएंगे।

रंग और डिजाइन का रखें ध्यान

जिम के कपड़ों का रंग और डिजाइन भी अहमियत रखता है। ऐसे रंग चुनें, जो आपको प्रेरित करें और ऊर्जा से भर दें। गहरे रंग जैसे नीला, काला या गहरा हरा अच्छे विकल्प हो सकते हैं क्योंकि ये साफ-सुथरे दिखते हैं और जल्दी गंदे नहीं लगते। कपड़ों का डिजाइन ऐसा हो, जो व्यावहारिक हो और आपकी कसरत के दौरान ध्यान न भटकाए। बहुत चमकीले रंगों या भारी डिजाइन से बचें।

सही जूते पहनना भी है जरूरी

जिम में कसरत करते समय सही जूतों का चुनाव करना भी उतना ही जरूरी है जितना कि कपड़ों का। जूते ऐसे होने चाहिए, जो आपके पैरों को पूरा सहारा दें और फिसलने से बचाएं। जूतों का तलवा मुलायम और मजबूत होना चाहिए ताकि पैरों को आराम और सुरक्षा दोनों मिले। इसके अलावा जूतों का वजन हल्का होना चाहिए ताकि आप बिना किसी परेशानी के चल-फिर सकें और कसरत के दौरान थकान महसूस न हो।

खास खबर

समयबद्ध कार्यप्रणाली, वित्तीय अनुशासन एवं बीज उत्पादन में तेजी लाने के निर्देश

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम मुख्यालय, रायपुर में आज बीज निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर की अध्यक्षता में विभागीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में प्रबंध संचालक अजय अग्रवाल सहित मुख्यालय के अधिकारी-कर्मचारी एवं समस्त बीज प्रबंधक उपस्थित थे। बैठक में आत्मनिर्भर दलहन योजना की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। श्री चन्द्राकर ने समयबद्ध कार्यप्रणाली, वित्तीय अनुशासन एवं बीज उत्पादन में तेजी लाने के निर्देश दिए। श्री चन्द्राकर ने बैठक में सभी बीज प्रबंधकों से योजना की वर्तमान प्रगति की जानकारी ली तथा निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। साथ ही साथी पोर्टल पर किसानों एवं सहकारी समितियों के पंजीयन की भी विस्तृत समीक्षा की। बीज प्रबंधकों को निर्देशित किया गया कि पंजीयन का कार्य समय-सीमा में पूर्ण कर ली जाए। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक किसानों को बीज उत्पादन कार्यक्रम से जोड़ा जाए, ताकि आगामी बीज उत्पादन कार्यक्रम सुचारू रूप से संचालित हो सके।

सेवा संकल्प अभियान : 17 सितम्बर को हर घर दीया जलाने का आह्वान

कांकेर । राज्य शासन द्वारा 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान संचालित किया जा रहा है। जिले में इसे त्यौहार के रूप में मनाया जाएगा। जिला प्रशासन जिले के नागरिकों से आह्वान किया है कि 17 सितम्बर को संध्या के समय सभी घरों में आशीर्वाद का दीया जलाएं। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने जिले के अधिकारियों की बैठक लेकर इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए जिले के सभी शासकीय कार्यालयों, ग्राम पंचायत भवनों, आंगनबाड़ी केंद्रों, सरोवर के किनारे, स्कूल, छात्रावास-आश्रम, प्रमुख पर्यटन स्थल, शहीद स्मारक, पुलिस व सुरक्षा बलों के कैम्प, पुनर्वास केंद्र सहित सभी प्रमुख स्थलों में संध्याकाल में दीया जलाने के निर्देश दिए हैं। उनके द्वारा जिले के आम नागरिकों से भी अपने-अपने घरों में आशीर्वाद का दीया जलाने की अपील की गई है।

माता बहादुर कलारिन सम्मान 2026 के लिए 25 सितंबर तक आवेदन आमंत्रित

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ शासन के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ संघर्ष तथा नारी उत्थान के क्षेत्र में उल्लेखनीय एवं अभूतपूर्व कार्य करने वाली महिलाओं को प्रतिवर्ष 'माता बहादुर कलारिन सम्मान' प्रदान किया जाता है। वर्ष 2026 के सम्मान के लिए पात्र महिलाओं से प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं। सम्मान के तहत चयनित एक महिला को 2 लाख रुपये की सम्मान राशि एवं प्रशस्ति पट्टिका प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। प्राप्त प्रविष्टियों की जिला स्तर पर गठित चयन समिति द्वारा स्क्रीनिंग एवं परीक्षण किया जाएगा। जिला स्तर पर प्राप्त आवेदनों में से सर्वोत्कृष्ट दो महिलाओं का चयन कर उनकी अनुशंसा संचालनालय, महिला एवं बाल विकास विभाग, नवा रायपुर को भेजी जाएगी। पात्र महिलाएं निर्धारित प्रारूप में आवेदन एवं आवश्यक दस्तावेज 25 सितंबर 2026 तक जिला कार्यालय, महिला एवं बाल विकास विभाग, अम्बिकापुर (सरगुजा) में प्रस्तुत कर सकती हैं। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त प्रविष्टियों पर विचार नहीं किया जाएगा।

जल संरक्षण और हर घर तक स्वच्छ पेयजल हमारी प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

मार्च 2028 तक सभी जल संरचनाओं को पूर्ण करने के निर्देश, गुणवत्ता और समयबद्धता पर विशेष जोर, जल जीवन मिशन की जिलेवार नियमित समीक्षा करें कलेक्टर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जल संरक्षण केवल वर्तमान की आवश्यकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य से जुड़ा विषय है। प्रदेश में जल की प्रत्येक बूंद का संरक्षण हो और प्रत्येक परिवार को स्वच्छ पेयजल की सुविधा मिले, इस लक्ष्य के साथ राज्य सरकार जल संचय और जल जीवन मिशन के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में जल संसाधन विभाग और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री साय ने जल संचय जन भागीदारी अभियान की जिलेवार प्रगति की विस्तृत समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल संरक्षण के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग हो और निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के साथ भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक जल सुरक्षा की दिशा में काम किया जाए। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जल संरक्षण को केवल शासकीय कार्यक्रम तक सीमित न रखते हुए इसे जनभागीदारी का व्यापक अभियान बनाया जाना चाहिए। वर्ष 2025-26 में प्रदेश के अनेक जिलों ने जल संचय जन भागीदारी अभियान के अंतर्गत उल्लेखनीय कार्य किए हैं। अब सभी जिलों को अपने निर्धारित लक्ष्य से आगे बढ़कर बेहतर परिणाम के लिए प्रयास करना होगा।

जल संसाधन विभाग के सचिव राजेश कुमार टोप्पो ने बैठक में बताया कि जल संचय जन भागीदारी अभियान में छत्तीसगढ़ देश में अग्रणी है। उन्होंने बताया कि सभी जिलों को इस वर्ष निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने के साथ उससे बेहतर प्रदर्शन के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब जल जीवन मिशन के शेष कार्यों को मिशन मोड में आगे बढ़ाया जाए। सभी कलेक्टर अपने-अपने जिलों में इसकी नियमित समीक्षा करें और जहां भी प्रशासनिक, तकनीकी अथवा क्रियान्वयन संबंधी बाधाएं आ रही हैं, उनका तत्काल समाधान करते हुए कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा कराएं।

उन्होंने कहा कि केवल अधोसंरचना निर्माण ही लक्ष्य नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि योजनाओं का वास्तविक लाभ परिवारों तक पहुंचे और लोगों को नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो। इसके लिए जिला प्रशासन और संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय के साथ कार्य किया जाए।

मुख्यमंत्री साय ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत पूर्ण हो चुके कार्यों के भुगतान की स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन कार्यों को निर्धारित मापदंड और गुणवत्ता के अनुरूप पूर्ण किया जा चुका है, उनका भुगतान समय पर सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर मिशन की नियमित समीक्षा करते हुए प्रेजेंटेशन में सामने आई कमियों और समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण किया जाए। योजना से जुड़े सभी पक्षों के बीच बेहतर समन्वय से शेष कार्यों को गति दी जाए। मुख्यमंत्री साय ने सभी कलेक्टरों को निर्देशित किया कि वे अपने जिलों में जल संरक्षण और हर घर तक नल से पेयजल पहुंचाने के लक्ष्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

जल संरक्षण मॉडल को राष्ट्रीय मंच पर मिली पहचान

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल संरक्षण के प्रयास तभी दीर्घकालिक परिणाम देंगे, जब शासन के साथ समाज की सक्रिय भागीदारी भी सुनिश्चित होगी। जनभागीदारी की इसी शक्ति के माध्यम से छत्तीसगढ़ को जल संरक्षण के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में स्थायी रूप से स्थापित करना है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल संचय जन भागीदारी अभियान के अंतर्गत सभी जिलों के नोटिफाइड नक्शे तैयार करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाए। अभियान की मुख्य सचिव स्तर पर नियमित समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिले में जल संरक्षण से जुड़े कार्यों की सतत मॉनिटरिंग की जाए तथा जहां भी कमियां सामने आएं, उन्हें तत्काल दूर किया जाए।

हर घर तक नल से स्वच्छ जल पहुंचाना हमारा लक्ष्य

मुख्यमंत्री साय ने बैठक में जल जीवन मिशन की प्रगति की भी विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जल जीवन मिशन का उद्देश्य प्रत्येक परिवार तक नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना है। प्रदेश के प्रत्येक घर तक पर्याप्त और स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना राज्य सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है। उन्होंने कोरिया, धमतरी राजनांदगांव सहित अन्य जिलों में जल संरक्षण की दिशा में किए गए कार्यों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर प्रदर्शन करने वाले जिलों के अनुभव और कार्यप्रणाली का लाभ अन्य जिलों को भी मिलना चाहिए, ताकि पूरे प्रदेश में जल संरक्षण के प्रयासों को समान गति मिल सके।

विकसित भारत-2047 के संकल्प से जुड़ेगा सारंगढ़ - बिलाईगढ़

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राजस्व एवं उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने सारंगढ़ - बिलाईगढ़ जिला में सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों को लेकर कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आगामी 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले इस राष्ट्रव्यापी अभियान को जिले में व्यापक, प्रभावी और भव्य स्वरूप देने के लिए मंत्री वर्मा ने प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों के साथ रणनीति तैयार की।

बैठक में मंत्री वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के बेमिसाल जनसेवा और नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करने तथा विकसित भारत-2047 के संकल्प को मजबूत करने के लिए यह अभियान आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने निर्देश दिए कि यह आयोजन केवल जिला मुख्यालय तक सीमित न रहे, बल्कि जनपद, तहसील, नगर पंचायत से लेकर सुदूर ग्राम पंचायतों तक एक जन-आंदोलन का रूप ले। इसमें युवाओं, महिलाओं, स्वयं-सहायता समूहों और वरिष्ठ नागरिकों समेत समाज के हर वर्ग की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

अभियान का शुभारंभ 17 सितंबर की शाम जिले के प्रमुख धार्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों पर आशीर्वाद का दीया जलाकर किया जाएगा। इसी तरह 25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत 17 सितंबर से 7 अक्टूबर तक आयोजित होगी। इसके तहत सभी सरकारी व निजी स्कूलों में चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताओं के जरिए नई पीढ़ी के सपनों के भारत की झलक देखने को मिलेगी।

आंगन का उत्सव का आयोजन 25 सितंबर से 7 अक्टूबर तक जिले के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में पोषण और महिला-बाल विकास से जुड़ी योजनाओं पर जागरूकता फैलाई जाएगी और उत्कृष्ट कार्यकर्ताओं का सम्मान किया जाएगा। सेवा सेतु-सरकार आपके द्वार के अंतर्गत विकासखंड व विधानसभा स्तर पर विशेष शिविर लगाकर पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। कहानी बदलाव की व नमो सेवा गाथा में जनकल्याणकारी योजनाओं से लोगों के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों की प्रेरक कहानियों का संकलन होगा और नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से जन-जागरूकता बढ़ाई जाएगी। इसी तरह सेवा मेरा योगदान व सेवा ज्योति यात्रा में नदियों, घाटों की सफाई और सार्वजनिक सेवा कार्यों के साथ-साथ जिलेभर में जन-भागीदारी यात्राएं आयोजित की जाएंगी। कलेक्टर ने बैठक में बताया कि जिला प्रशासन द्वारा अभियान की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और सभी विभागों के साथ तालमेल बिठाकर तिथिवार कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कर ली गई है।

बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडेय, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत सीईओ, स्थानीय जनप्रतिनिधि, पूर्व विधायक तथा जिले के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

सेवा सेतु से ग्रामीणों को घर बैठे मिल रहा शासकीय सेवाओं का लाभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्य शासन द्वारा नागरिकों को शासकीय सेवाएं सरल, पारदर्शी और सहज रूप से उपलब्ध कराने के लिए किए जा रहे डिजिटल प्रयासों का लाभ अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्रभावी रूप से पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित सेवा सेतु पोर्टल आम नागरिकों के लिए शासकीय सेवाओं तक आसान पहुंच का प्रभावी माध्यम बन रहा है।

ऑनलाइन आवेदन की सुविधा से नागरिकों को कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने की आवश्यकता कम हुई है और उनके समय एवं श्रम की बचत हो रही है। इसी पहल से लाभान्वित हुए सूरजपुर जिला के ग्राम हार्राटिकरा निवासी पवन कुमार ने अपने बच्चों लक्ष्य कुमार एवं लक्ष्मी राजवाड़े के आवश्यक दस्तावेजों के लिए सेवा सेतु के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया। आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें आय प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र एवं जाति प्रमाण पत्र प्राप्त हुए। पवन कुमार ने बताया कि पहले आवश्यक प्रमाण पत्र बनवाने के लिए शासकीय कार्यालय जाकर आवेदन प्रक्रिया पूरी करनी पड़ती थी, जिसमें काफी समय और श्रम लगता था। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में नागरिक सुविधाओं को बढ़ाने के लिए किए जा रहे डिजिटल प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सेवा सेतु जैसी पहल से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को भी तकनीक के माध्यम से शासकीय सेवाओं का लाभ सरल और सुविधाजनक तरीके से मिल रहा है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बतौली में लोगों को मिल रही बेहतर स्वास्थ्य सुविधा

श्रीकंचनपथ समाचार

अम्बिकापुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बतौली में क्षेत्र के लोगों को बेहतर एवं सुगम स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मरीजों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं समय पर मिल सकें, इसके लिए स्वास्थ्य केन्द्र में सभी जरूरी व्यवस्थाओं को बेहतर ढंग से संचालित किया जा रहा है।

विकासखंड चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बतौली में स्वास्थ्य जांच, उपचार एवं आवश्यक चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। अस्पताल में आने वाले मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा निरंतर प्रयास किया जा रहा है। यहां महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श एवं उपचार की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे उन्हें स्थानीय स्तर पर ही आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके।

विकासखंड चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि स्वास्थ्य केन्द्र में आने वाले मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा उन्हें समय पर आवश्यक स्वास्थ्य सुविधा मिल सके, इसके लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम पूरी तत्परता के साथ कार्य कर रही है।

हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' थीम पर छत्तीसगढ़ में शुरू हुआ राष्ट्रीय पोषण माह-2026

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में बच्चों, माताओं एवं महिलाओं के पोषण स्तर में सुधार तथा समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 9वां राष्ट्रीय पोषण माह-2026 पूरे प्रदेश में शुरू हो गया है।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मिशन सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 के अंतर्गत आयोजित इस राज्यव्यापी अभियान की इस वर्ष की थीम 'हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' है। अभियान के माध्यम से आंगनवाड़ी केंद्रों को पोषण, स्वास्थ्य, देखभाल एवं प्रारंभिक बाल्यावस्था विकास के सशक्त केंद्र के रूप में विकसित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार बच्चों और माताओं के पोषण एवं स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। राष्ट्रीय पोषण माह केवल जागरूकता का अभियान नहीं, बल्कि पोषण को जनआंदोलन बनाने का अवसर है। 'हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' की भावना के साथ परिवार, समुदाय और जनप्रतिनिधियों की सहभागिता से आंगनवाड़ी केंद्रों को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा।

पोषण माह के दौरान प्रदेश के आंगनवाड़ी केंद्रों में स्थानीय एवं कम लागत वाली खाद्य सामग्री से पौष्टिक व्यंजन तैयार करने का प्रदर्शन किया जाएगा। पोषण मेलों के माध्यम से मिलेट्स, मौसमी फल-सब्जियां, दालें, दुग्ध उत्पाद, मेवे एवं विभिन्न प्रकार के बीजों के पोषण संबंधी महत्व की जानकारी दी जाएगी।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को पंखः भखारा में बैंक ऑफ बड़ौदा के मेगा क्रेडिट कैंप में 32 करोड़ का ऋण स्वीकृत

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। धमतरी जिले के भखारा में बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा आयोजित मेगा क्रेडिट कैंप ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था, महिला सशक्तिकरण और कृषि उद्यमिता को नई दिशा दी है।

वित्तीय समावेशन को धरातल पर उतारने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में 476 हितग्राहियों को कुल 32 करोड़ रुपए की ऋण सहायता स्वीकृत एवं वितरित की गई। इस पहल के माध्यम से किसानों, स्वयं सहायता समूहों, महिलाओं तथा स्थानीय उद्यमियों को सीधे तौर पर संस्थागत बैंकिंग सुविधाओं से जोड़कर आर्थिक संबल प्रदान किया गया। कार्यक्रम में स्वीकृत ऋण राशि का मुख्य हिस्सा कृषि और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को मजबूत करने में गया, जिसके तहत फूड एवं एग्रो प्रोसेसिंग से संबंधित 7 प्रकरणों में सर्वाधिक 16 करोड़ रुपए की भारी-भरकम राशि स्वीकृत की गई। इसके अलावा ग्रामीण कृषि तंत्र को मजबूती देने के लिए 211 किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से 6 करोड़ रुपए और ट्रैक्टर तथा हार्वेस्टर जैसे कृषि टर्म लोन के 69 मामलों में 5 करोड़ रुपए का ऋण दिया गया। वहीं महिला सशक्तिकरण और स्व-रोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 155 स्वयं सहायता समूहों को 5 करोड़ रुपए तथा बैंक ऑफ बड़ौदा नारी शक्ति योजना के 34 प्रकरणों में 84 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

कलेक्टर धमतरी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग संस्थानों द्वारा आयोजित ऐसे क्रेडिट कैंप न केवल वित्तीय समावेशन को मजबूत करते हैं, बल्कि स्थानीय उद्यमियों और किसानों के लिए आर्थिक समृद्धि के नए द्वार भी खोलते हैं। उन्होंने हितग्राहियों से ऋण राशि का उपयोग निर्धारित उत्पादक गतिविधियों में करते हुए अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने का आह्वान किया।

ऑयल पाम की खेती से जशपुर के किसानों की आय में बढ़ेगा नया आयाम

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। देश को खाद्य तेलों के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने और किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित 'नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल-ऑयल पाम' योजना जशपुर जिले में किसानों के लिए आय के नए अवसर लेकर आई है। जिले में ऑयल पाम की खेती को लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है। योजना के तहत जशपुर जिले को 100 हेक्टेयर का भौतिक लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिसके विरुद्ध अब तक 43 हेक्टेयर क्षेत्र में ऑयल पाम का सफल रोपण किया जा चुका है।

उद्यानिकी विभाग द्वारा किसानों को ऑयल पाम की उन्नत खेती से जोड़ने के लिए जिले के विभिन्न क्षेत्रों में मेगा प्लांटेशन कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। घोलेंग विकासखंड जशपुर, भुरसाकोना विकासखंड बगीचा तथा टिकलीपारा विकासखंड फरसाबहार में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में किसानों की भागीदारी सुनिश्चित की गई। इस दौरान किसानों को ऑयल पाम की खेती की तकनीक, पौध रोपण, सिंचाई, रखरखाव और अंतर्वर्ती फसल के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यक्रमों में सहायक संचालक उद्यान सहित विकासखंड स्तर के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

योजना के तहत किसानों को उच्च गुणवत्तायुक्त ऑयल पाम पौध सामग्री उपलब्ध कराने के लिए निर्धारित प्रावधान के अनुसार 9म9 मीटर की दूरी पर 143 पौधे प्रति हेक्टेयर लगाए जाते हैं। इम्पोर्टेड पौध सामग्री के व्यय की प्रतिपूर्ति के लिए 29 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर तक अनुदान का प्रावधान है।

ऑयल पाम के पौधों की सुरक्षा के लिए किसानों को फेंसिंग हेतु 54,485 रुपये प्रति हेक्टेयर तथा बेहतर जल प्रबंधन के लिए ड्रिप सिंचाई हेतु 14,130 रुपये प्रति हेक्टेयर अनुदान दिया जाता है। इसके साथ ही सफल बोर के लिए 50 हजार रुपये तक सहायता का प्रावधान है। इससे किसानों को सिंचाई सुविधा विकसित करने और फसल को सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी।

दो हेक्टेयर अथवा उससे अधिक क्षेत्र में ऑयल पाम का रोपण करने वाले अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, लघु एवं सीमांत तथा महिला हितग्राहियों को डीजल/इलेक्ट्रिक पम्प के लिए 10 हजार रुपये प्रति पम्प तथा अन्य हितग्राहियों को 8 हजार रुपये प्रति पम्प अनुदान का प्रावधान है।

ऑयल पाम के शुरुआती विकास और किसानों को आर्थिक संबल देने के लिए पौधों के रखरखाव हेतु भी चार वर्षों तक अनुदान दिया जाएगा। प्रथम वर्ष से चतुर्थ वर्ष तक प्रत्येक वर्ष 5,250 रुपये प्रति हेक्टेयर की सहायता खाद, दवा, उर्वरक, गैप फिलिंग और सिंचाई जैसे कार्यों के लिए दिए जाने का प्रावधान है।

प्रतिबंधित एनालॉग पनीर : प्लाईवुड फैक्ट्री की आड़ में नकली पनीर बन रहा था, 650 किलो जब्त

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायपुर में एक बार फिर प्रतिबंधित नकली पनीर बनाने का मामला सामने आया है। बीरगांव में प्लाईवुड फैक्ट्री की आड़ में नकली पनीर बनाई जा रही थी। यहां से पनीर तैयार कर 650 किलो की खेप ओडिशा भेजी जा रही थी, जिसे मुखबिर की सूचना पर फूड एंड सेफ्टी विभाग की टीम ने जोरा मल के पास पकड़ लिया।

विभाग ने जब्त पनीर का सैंपल जांच के लिए लैब भेजा है। अधिकारियों के मुताबिक एक-दो के भीतर रिपोर्ट जाएगी, जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बीरगांव में पंछी डोर्स एंड प्लाईवुड फैक्ट्री संचालित है। इसी फैक्ट्री के भीतर अंशु बंसल नामक व्यक्ति द्वारा सांवरिया सेठ मिल्क एंड प्रोडक्ट के नाम से पनीर तैयार किया जा रहा था।

मंगलवार शाम करीब 7 बजे इसी फैक्ट्री से तैयार 650 किलो पनीर पिकअप वाहन में भरकर ओडिशा भेजा जा रहा था। फैक्ट्री से पनीर निकलते ही

मुखबिर ने इसकी सूचना फूड एंड सेफ्टी विभाग के अफसरों को दी। इसके बाद विभाग ने आनन-फानन में टीम तैयार की। टीम ने जोरा मॉल के पास पिकअप को रोका। जांच के दौरान पिकअप से पनीर की खेप मिली। टीम ने ड्राइवर से दस्तावेज के बारे में जानकारी मांगी, जो नहीं थी। विभाग अब फैक्ट्री में पनीर निर्माण की प्रक्रिया और इससे जुड़े लोगों की जानकारी जुटा रहा है।

राजधानी में फूड एंड सेफ्टी विभाग की टीम ने नकली पनीर के मामले में पिछले एक महीने में पांच कार्रवाई की गई है। इनमें तीन मामलों की जांच रिपोर्ट विभाग को मिल चुकी है। दो मामलों में पनीर अमानक पाया गया, जबकि एक मामले में पनीर मानक के अनुरूप मिला है। दो मामलों की जांच रिपोर्ट अभी तक विभाग को नहीं मिली है। जिन मामलों में पनीर अमानक पाया गया, उनमें विभाग प्रकरण तैयार कर कोर्ट में प्रस्तुत करने की तैयारी में है। छत्तीसगढ़ में एनालॉग पनीर को प्रतिबंधित करने की घोषणा 31 जुलाई को राजपत्र में प्रकाशित हुई।

खास खबर

छात्रा की शिकायत पर शिक्षक हुआ गिरफ्तार

राजनांदगांव। गैंदाटोला स्कूल में छात्रा से हुई छेड़खानी के मामले में स्कूल प्राचार्य को भी निलंबित कर दिया है। छात्रा की शिकायत पर पुलिस ने शिक्षक तिलक यदु पर एफआईआर कर उसे गिरफ्तार कर लिया था। मामले में संलिप्त सह आरोपी को भी गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोप है कि स्कूल में लगातार तीन साल से छात्रा से छेड़खानी की हरकत होती रहीं। जिसे प्राचार्य ने भी संज्ञान में नहीं लिया। घटना की जानकारी उच्चाधिकारियों को भी नहीं दी गई। प्राचार्य ने अपने कर्तव्य का निर्वहन नहीं किया। विभाग ने प्राचार्य विनोद मंडलोई को निलंबित कर दिया। स्कूलों में थी शिकायत पेटियां, अब गायब हो गईं कुछ साल पहले स्कूलों से लगातार छेड़खानी की शिकायत आने के बाद स्कूलों में शिकायत पेटियां लगाई गई थी। जिसमें छात्राओं को अपने साथ हो रही हरकतों की जानकारी इस बॉक्स में डालनी थी। लेकिन अब ज्यादातर स्कूलों से यह शिकायत पेटी गायब हो गई है।

नए घर को लेकर हुआ विवाद पति ने डंबल से मारकर कर दी पत्नी की हत्या

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में नए घर को लेकर हुए विवाद में पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। मृतका बंधन कुंवर (39) और आरोपी रमेश डोंगरे (40) की यह दूसरी शादी थी। दोनों शांति बस्ती के वार्ड नंबर-9 में रहते थे। शादी के बाद रमेश अपनी पत्नी के घर पर ही रह रहा था। दोनों की कोई संतान नहीं थी। रमेश नया घर बनाकर पत्नी के साथ वहां रहना चाहता था, लेकिन बंधन कुंवर इसका विरोध कर रही थी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद चल रहा था। बुधवार को विवाद बढ़ने पर रमेश ने गुस्से में सीमेंट के डंबल से पत्नी के सिर पर हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में हत्या की बात सामने आने के बाद उसके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

तहसीलदार की कुर्सी के ऊपर भरभराकर गिरी छत

दुर्ग। जिले के पाटन तहसील कार्यालय में बुधवार रात बड़ा हादसा होते-होते टल गया। अचानक कार्यालय की छत का एक बड़ा हिस्सा भरभराकर नीचे आ गिरा। प्लास्टर का भारी टुकड़ा सीधे तहसीलदार की कुर्सी के ठीक ऊपर गिरने से टेबल, कंप्यूटर और अन्य जरूरी सरकारी उपकरण मलबे की चपेट में आ गए। गनीमत रही कि घटना देर रात हुई, उस समय कार्यालय खाली था। इससे किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। बृहस्पतिवार सुबह जब कर्मचारी कार्यालय पहुंचे तो तहसीलदार की टेबल और कुर्सी के आसपास छत का मलबा और टूटा हुआ प्लास्टर बिखरा पड़ा था। मलबे में टेबल, कंप्यूटर समेत अन्य सरकारी सामान दबा हुआ था। प्रारंभिक तौर पर कई उपकरणों के क्षतिग्रस्त होने की बात सामने आई है।

25 हजार कमीशन लेकर ठगों को बेचे बैंक खाते

दो अकाउंट से 25 दिन में 2.32 करोड़ का ट्रांजेक्शन, 12 राज्यों में 4 करोड़ ठगे

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में साइबर ठगी की रकम के लेनदेन के लिए म्यूल बैंक खातों का इस्तेमाल किया गया। छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक के सांवरिया इंटरप्राइजेस और अजय फार्म हाउस के खातों में सिर्फ 25 दिन में 2 करोड़ 32 लाख रुपए से ज्यादा का लेनदेन हुआ। जांच में इन खातों का कनेक्शन साइबर ठगी से सामने आया है।

रेंज साइबर थाना पुलिस ने गुरुवार को फ्रॉड गैंग के 6 सदस्यों को गिरफ्तार किया। आरोपी आम लोगों के बैंक खाते कमीशन और 2.8% हिस्सेदारी के लालच में साइबर ठगों को उपलब्ध कराते थे। इसके बदले खाताधारकों को 20 से 25 हजार रुपए तक कमीशन दिया जाता था।

पुलिस जांच में आरोपियों के बैंक खातों का कनेक्शन 12 से ज्यादा राज्यों में दर्ज 50 से अधिक साइबर अपराधों से मिला है। इन मामलों में करीब 4 करोड़ रुपए की ठगी की रकम का लेनदेन सामने आया है। जांच के बाद पुलिस ने ऑनलाइन ठगी में इस्तेमाल होने वाले म्यूल बैंक खातों के सिंडिकेट का खुलासा किया है।

बैंक मैनेजर ने पुलिस को दिए सुराग

छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक की मंगला शाखा की मैनेजर आरती कुरील ने पुलिस को बताया कि महज एक महीने में दोनों संदिग्ध खातों में 2 करोड़ रुपए से ज्यादा का लेनदेन हुआ। बैंक ऑडिट में इन खातों से धोखाधड़ी की रकम ट्रांसफर करने और निकालने की जानकारी सामने आई।

बैंक को आशंका है कि साइबर ठगी की रकम खपाने के लिए इन खातों को किराए पर दिया गया था। पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर बैंक मैनेजर ने रेंज साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई। साथ ही एफआईआर के लिए जरूरी दस्तावेज और खातों से जुड़े अहम रिकॉर्ड पुलिस को सौंपे।

कमीशन के लालच में बेचे बैंक अकाउंट

रेंज साइबर पुलिस ने जांच शुरू की तो पूरे गिरोह का खुलासा हुआ। पुलिस ने खाता धारक अजय कुमार सोनी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। इसके बाद आरोपी नरेन्द्र कुर्रे और रायपुर निवासी देवेश कुमार दास उर्फ रोबिन के बारे में जानकारी मिली। दोनों बैंक खातों का नेटवर्क चला रहे थे।

आरोपी लोगों को 20 से 25 हजार रुपए कमीशन और हर ट्रांजेक्शन पर 2.8% हिस्सेदारी का लालच देकर बैंक खाते खुलवाते थे। इसके बाद नेट बैंकिंग और मोबाइल एप का एक्सेस साइबर ठगों को दे दिया जाता था। इन खातों में देशभर के पीड़ितों से ठगी की रकम ट्रांसफर की जाती थी। रकम आने के बाद उसे तुरंत निकाल लिया जाता था।

अभिलाष का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड

आरोपी अभिलाष डेनियल का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड गो-तस्करी से जुड़ा है। जबकि देवेश कुमार दास उर्फ रोबिन सॉफ्टवेयर का काम करता है। वहीं, नरेंद्र कुर्रे संविदा कर्मचारी है। हालांकि, वह किस विभाग में काम करता है, यह अभी स्पष्ट नहीं हुआ है।

6 आरोपी गिरफ्तार, अन्य लोगों की भूमिका की जांच

इस मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अलग-अलग धाराओं में केस दर्ज किया। इसके बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया, जहां से सभी आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

हाइड्रा ने बाइक सवार परिवार को रौंदा, तीन साल की बच्ची की मौत, तीन की हालत गंभीर

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। कोरबा के पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक के बांगो थाना क्षेत्र में गुरुवार को सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार हाइड्रा वाहन ने बाइक सवार परिवार को टक्कर मार दी। हादसे में तीन साल की बच्ची की हाइड्रा के पहिए में फंसने से मौके पर ही मौत हो गई। बच्ची के माता-पिता और एक साल का भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद चालक हाइड्रा छोड़कर फरार हो गया।

जानकारी के मुताबिक, तनेरा निवासी राम कुमार पोर्ते अपनी पत्नी प्रेम लता पोर्ते, तीन साल की बेटी स्नेहा पोर्ते और एक साल के बेटे इसरुस्तम के साथ बाइक से घर लौट रहे थे। वे रावा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार हाइड्रा ने ओवरटेक करने की कोशिश में उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक हाइड्रा के अगले पहिए में फंस गई। हाइड्रा बाइक को कुछ दूरी तक घसीटता रहा। इसी दौरान तीन साल की स्नेहा पहिए की चपेट में आ गई। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। राम कुमार, प्रेम लता और एक साल का इसरुस्तम सड़क पर गिरकर घायल हो गए।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने हाइड्रा को रुकवाया और घायलों को संभाला। इसी दौरान चालक वाहन छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। परिजनों ने आरोप लगाया है कि हादसे के समय चालक मोबाइल पर बात कर रहा था। हालांकि, पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही हादसे की असली वजह पता चलेगी।

112 और एंबुलेंस की टीम मौके पर पहुंची

सूचना मिलने पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। घायलों को 108 एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पोड़ी उपरोड़ा ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। मृत बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए मरच्यूरी में रखा गया है।

बांगो पुलिस ने मामला दर्ज कर हाइड्रा को जब्त कर लिया है। पुलिस फरार चालक की तलाश कर रही है।

मुआवजा राशि लेकर बैंक से निकली, रास्ते में 1.60 लाख गायब, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कवर्धा जिले से बेटे की हादसे में मौत के बाद मुआवजा राशि लेने रायपुर आई महिला के पर्स से 1.60 लाख रुपए चोरी हो गए। सिविल लाइन पुलिस के मुताबिक, कवर्धा जिले के ग्राम महाराजपुर निवासी ममता तिवारी स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत हैं। उनके बेटे की दुर्घटना में मौत हो गई थी।

मुआवजा राशि लेने के लिए वह 10 सितंबर को पति खेदन तिवारी के साथ रायपुर न्यायालय आई थीं। कोर्ट का काम पूरा होने के बाद उन्होंने न्यायालय परिसर स्थित पंजाब नेशनल बैंक से 1.60 लाख रुपए नकद निकाले।

बैंक से रकम निकालने के बाद शाम करीब 4 बजे ममता पति के साथ मल्टीलेवल पार्किंग में छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा के पास पहुंचीं। यहां से दोनों ई-रिक्शा में बैठकर फाफाडीह चौक गए। इसके बाद फाफाडीह से दूसरे ऑटो में बैठकर भनपुरी चौक पहुंचे।

भनपुरी पहुंचने के बाद ममता ने पर्स चेक किया तो उसमें रखे 1.60 लाख रुपए गायब थे। उन्होंने तुरंत पति और अधिवक्ता निरंजन साहू को इसकी जानकारी दी। ममता ने आशंका जताई कि ऑटो में सफर के दौरान किसी ने मौका देखकर पर्स से रकम निकाल ली।

पुलिस न्यायालय परिसर स्थित बैंक से लेकर फाफाडीह और भनपुरी तक के रास्ते के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। दोनों ऑटो के ड्राइवरों से भी पूछताछ की जाएगी। रास्ते में महिला के आसपास मौजूद लोगों की जानकारी भी जुटा रही है। जांच में यह भी पता लगाया जा रहा है कि बैंक से रकम निकालने के बाद कोई संदिग्ध महिला का पीछा तो नहीं कर रहा था। आरोपी ने भीड़ या ऑटो में सफर के दौरान मौका देखकर पर्स से रकम निकाल ली।

किराएदार ने खुद को मंत्री-अफसरों का करीबी बताकर पैसे लिए,राजस्व-शराब दुकान में नौकरी लगाने का दिया झांसा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायपुर के टिकरापारा थाना क्षेत्र में सरकारी नौकरी लगवाने के नाम पर तीन लोगों से 3.78 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। छत्तीसगढ़ नगर निवासी टेलर धन्नू राम ध्रुव की शिकायत पर पुलिस ने प्रमोद केशरवानी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। आरोप है कि प्रमोद ने खुद को मंत्री और अधिकारियों का करीबी बताकर नौकरी लगवाने का भरोसा दिलाया था। धन्नू राम ने पुलिस को बताया कि वर्ष 2023 में प्रमोद उनके घर के पास किराए से रहता था। वह अक्सर अधिकारियों के साथ उठना-बैठना और पहचान होने की बात करता था। इसी दौरान

उसने राजस्व विभाग में भर्ती की जानकारी देते हुए सरकारी नौकरी लगवाने का दावा किया। धन्नू राम ने अपने साढ़ू के भांजे परमेश्वर मरकाम की नौकरी के लिए उससे संपर्क किया।

शिकायत के मुताबिक प्रमोद ने परमेश्वर के शैक्षणिक दस्तावेज लिए और नौकरी के लिए 2.50 लाख रुपए खर्च होने की बात कही। परिवार ने पहले 20 हजार रुपए फोन-पे से उसके खाते में भेजे। इसके बाद 30 सितंबर 2023 को छत्तीसगढ़ नगर में 2.10 लाख रुपए नकद दिए गए। इसके बाद प्रमोद ने परमेश्वर को कवर्धा तहसील कार्यालय में काम दिलाने का दावा किया और अंग्रेजी में ज्वाइनिंग संबंधी पत्र भी दिया। परमेश्वर ने करीब चार महीने वहां काम किया, लेकिन उसे वेतन नहीं मिला। इससे परिवार को नौकरी के दावे पर शक हुआ। धन्नू राम के मुताबिक प्रमोद ने उनके दो भांजों मिथुन मरकाम और अमित छेदाईया को शराब दुकान में सेल्समैन की नौकरी दिलाने का झांसा दिया। दोनों से 50-50 हजार रुपए, कुल एक लाख रुपए नकद लिए गए। इसके बाद वह नौकरी लगवाने की बात कहता रहा, लेकिन नौकरी नहीं लगवाई।

रकम लेने के बाद प्रमोद ने मोबाइल बंद कर दिया। संपर्क नहीं होने पर धन्नू राम ने टिकरापारा थाने में शिकायत की। पुलिस ने केस दर्ज कर पैसों के लेन-देन, दस्तावेज और आरोपी के संपर्कों की जांच शुरू कर दी है।

इशवा लग्जरी स्पा सेंटर में पुलिस रेड, संचालक-मैनेजर पर केस

जांच में बरामद हुई आपत्तिजनक सामग्री, सेंटर में मौजूद युवतियों ने संचालक पर लगाया देह व्यापार कराने का आरोप

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायपुर के देवेंद्र नगर इलाके में स्पा सेंटर में पुलिस की दबिश के बाद संचालक और मैनेजर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। श्याम स्क्वायर स्थित इशवा लग्जरी स्पा सेंटर में 10 सितंबर को एसीपी स्नेहिल साहू के नेतृत्व में सिविल लाइन और देवेंद्र नगर पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई की। पुलिस ने जांच के दौरान आपत्तिजनक सामग्री बरामद करने का दावा किया है।

संचालक का नाम टिकरापारा निवासी हरविंदर सिंह ग्रोवर और मैनेजर का नाम भिलाई निवासी मुकेश कुमार वर्मा बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक स्पा सेंटर में दूसरे राज्यों से युवतियों को बुलाकर काम कराया जा रहा था। पूछताछ के दौरान वहां

मौजूद युवतियों ने संचालक और मैनेजर पर जबरन देह व्यापार कराने का आरोप लगाया। पुलिस का कहना है कि युवतियों के बयान और मौके से मिली सामग्री के आधार पर मामले की जांच आगे बढ़ाई गई है।

कार्रवाई के बाद पुलिस ने स्पा संचालक हरविंदर सिंह ग्रोवर, निवासी टिकरापारा और मैनेजर मुकेश कुमार वर्मा, निवासी भिलाई-3 के खिलाफ केस दर्ज किया है। दोनों के खिलाफ देवेंद्र नगर थाने में अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम (पीटा एक्ट), 1956 के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

सेंटर की गतिविधियों की जांच जारी

पुलिस अब स्पा सेंटर से जुड़े दस्तावेज, वहां काम करने वाली युवतियों और संचालक-मैनेजर की भूमिका की जांच कर रही है। युवतियों को दूसरे राज्यों से किस माध्यम से रायपुर लाया गया और सेंटर में उनकी नियुक्ति कैसे हुई, इसकी भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि सेंटर में इस तरह की गतिविधियां कब से संचालित हो रही थीं।

फिलहाल मामले में पुलिस ने आरोपों और बरामद सामग्री के आधार पर जांच शुरू की है। आगे की कार्रवाई जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर की जाएगी।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, बालोद (छ.ग.)

निविदा क्र. 12 /त.शा. (निविदा)/ का.अ. /लो.स्वा.यां.खण्ड/ 2026 — बालोद, दिनांक : 09-09-2026

निविदा आमंत्रण सूचना (मैनुअल पद्धति)

मैनुअल निविदाएं प्रपत्र-एफ में लम्प-सम दर पर नीचे उल्लेखित कार्य के लिये कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बालोद द्वारा के एकीकृत पंजीयन व्यवस्था ई-रजिस्ट्रेशन की **सक्षम श्रेणी** में पंजीकृत ठेकेदारों से मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है।

कार्य का विवरण :-

नि.सू.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	निविदा प्रपत्र मूल्य	अमानत राशि
12	विकासखण्ड बालोद के ग्राम मालगांव (अटल चौक के पास) में स्थित पेयजल स्त्रोत में फ्लोराईड रिमूव्हल प्लांट स्थापना कार्य।	रू. 14.50 लाख	750/-	11,000.00

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि :- 29-09-2026 समय सायं 05:00 बजे तक

उपरोक्त कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी दिनांक 09 /09/2026 से एवं कार्यालयीन समय पर कार्यालय में देखे जा सकते है ।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बालोद
जिला - बालोद (छ.ग.)

जी- 262703207/4

काम नहीं करने वाले ठेकेदारों पर लोक निर्माण विभाग की बड़ी कार्रवाई, 6 ठेकेदार ब्लैकलिस्टेड

रायपुर। लोक निर्माण विभाग ने सड़कों और पुलों के निर्माण कार्यों में अत्यंत धीमी प्रगति और कार्य पूर्ण करने में रूचि नहीं लेने वाले 6 ठेकेदारों पर कड़ी कार्रवाई की है। विभाग द्वारा अनुबंध के अनुसार कार्य नहीं होने पर बार-बार नोटिस जारी करने, अनुबंध अवधि बढ़ाने, ठेकेदारों द्वारा स्वयं शपथ पत्र देने के बावजूद काम नहीं करने तथा कार्य पूर्ण करने में रूचि नहीं लेने वाले ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट कर उनके पंजीयन के नवीनीकरण पर रोक लगा दी है। दो ठेकेदारों के पंजीयन भी निरस्त किए गए हैं।

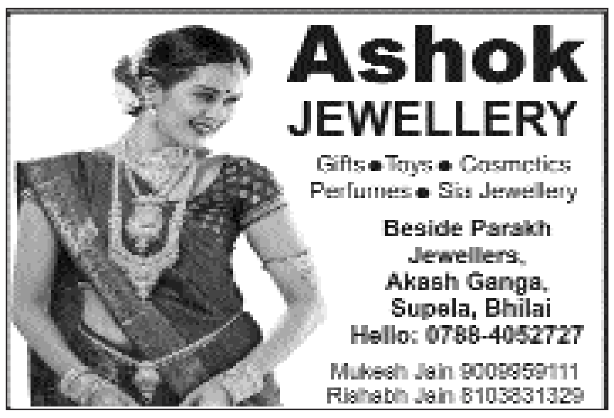

खास खबर

नुआखाई, महाअष्टमी और गोवर्धन पूजा पर अवकाश

रायपुर। सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर द्वारा जारी आदेश के तहत रायपुर जिले में तीन स्थानीय अवकाश घोषित किए हैं। यह अवकाश रायपुर जिले, शहर (राजधानी) स्थित शासकीय कार्यालयों एवं संस्थाओं में लागू होंगे। नुआखाई पर्व के लिए 15 सितंबर 2026 (मंगलवार), महाअष्टमी के लिए 19 अक्टूबर 2026 (सोमवार) तथा गोवर्धन पूजा (दीपावली के दूसरे दिन) के लिए 9 नवंबर 2026 (सोमवार) को स्थानीय अवकाश रहेगा। जारी आदेश के अनुसार ये अवकाश रायपुर जिले के अंतर्गत संबंधित शासकीय कार्यालयों एवं संस्थाओं पर लागू होंगे।

जोखिमपूर्ण भवनों की जांच में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

बालोद। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि विद्यार्थियों और नागरिकों की सुरक्षा शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी दुर्घटना के बाद कार्रवाई करने के बजाय संभावित जोखिमों की पहले पहचान कर समय रहते आवश्यक कदम उठाए जाएं। मुख्यमंत्री श्री साय निवास कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी संभागायुक्तों, पुलिस महानिरीक्षकों, कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों और वरिष्ठ अधिकारियों की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस बैठक में कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा सहित संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण भी जुड़े। मुख्यमंत्री ने सभी जिलों में हॉस्टल, पीजी, कोचिंग सेंटर, स्कूल और बड़े शैक्षणिक भवनों का तत्काल निरीक्षण एवं सेफ्टी ऑडिट कराने के निर्देश दिए। सुरक्षा संबंधी कमी मिलने पर उसे दूर की समय-सीमा निर्धारित की जाए और उसकी निगरानी की जाए।

मुख्यमंत्री की संवेदनशील पहल- शशिकांत को एम्स रायपुर में कराया भर्ती, 4 लाख की सहायता स्वीकृत

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की संवेदनशील पहल से धमतरी जिले के ग्राम देवपुर निवासी 29 वर्षीय शशिकांत भरत को बेहतर इलाज की नई उम्मीद मिली है। सोशल मीडिया के माध्यम से शशिकांत की गंभीर स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी मिलने पर मुख्यमंत्री ने तुरंत संज्ञान लिया और उनसे दूरभाष पर बात कर कुशलक्षेम जाना।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शशिकांत को 9 सितंबर की शाम अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), रायपुर में भर्ती कराया, जहाँ विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज जारी है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने उनके उपचार के लिए 4 लाख रुपये की सहायता राशि भी स्वीकृत की है।

2016 में हुआ था हादसा

वर्ष 2016 में एक सड़क दुर्घटना के दौरान शशिकांत को गंभीर चोटें आई थीं, जिसके कारण वे करीब 50 दिनों तक कोमा में रहे। दुर्घटना में सर्वाइकल की समस्या उत्पन्न होने से उनके हाथ-पांव की कार्यक्षमता प्रभावित हो गई थी। लंबे समय तक विभिन्न अस्पतालों में इलाज कराने के बावजूद स्थिति में सुधार नहीं हो पाया था।

शशिकांत ने जताया आभार

मुख्यमंत्री से बातचीत और तुरंत मिली चिकित्सकीय सहायता के बाद शशिकांत ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा स्वयं फोन कर हाल-चाल पूछना और एम्स में इलाज के साथ 4 लाख रुपये की सहायता देना उनके और उनके परिवार के लिए बहुत बड़ा संबल है।

ऑनलाइन होंगी परिवहन विभाग की अधिकाधिक सेवाएं

फेडरेशन ने की यात्री बसों का किराया 75 प्रतिशत बढ़ाने की मांग, जल्द होगा समाधान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। परिवहन मंत्री केदार कश्यप की अध्यक्षता में बस ऑनर फेडरेशन ऑफ छत्तीसगढ़ के पदाधिकारियों एवं प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए बस संचालकों के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में यात्री किराए के पुनर्निर्धारण, स्लीपर बसों के टैक्स, बसों की समय-सारिणी, ऑनलाइन परमिट, व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस, फिटनेस प्रमाण-पत्र और महिला यात्रियों की सुरक्षा सहित परिवहन क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों पर विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में सकारात्मक एवं सार्थक चर्चा हुई।

परिवहन मंत्री कश्यप ने फेडरेशन के प्रतिनिधियों द्वारा रखी गई प्रत्येक मांग और व्यावहारिक समस्या को गंभीरता से सुना। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि बस संचालकों की समस्याओं का नियमानुसार समाधान किया जाए और यात्रियों को सुरक्षित, सुलभ तथा सुविधाजनक परिवहन सेवा उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

बैठक में फेडरेशन ने साधारण यात्री बसों के किराए में 75 प्रतिशत तथा डीलक्स बसों के किराए में 30 प्रतिशत वृद्धि करने की मांग रखी। इसके साथ ही 11 मार्च 2025 को जारी संशोधित अधिसूचना को निरस्त करने का विषय भी मंत्री के समक्ष रखा गया।

परिवहन मंत्री श्री कश्यप ने प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि यात्री किराए से जुड़े विषय का शीघ्र समाधान किया जाएगा। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को सभी आवश्यक प्रक्रियाएं समयबद्ध रूप से पूरी करते हुए इस विषय पर उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

फेडरेशन ने स्लीपर बसों में एक स्लीपर के बदले दो सीटों का टैक्स लेने की वर्तमान व्यवस्था को समाप्त कर एक स्लीपर पर एक सीट के बराबर टैक्स निर्धारित करने की मांग रखी। बस संचालकों ने इस व्यवस्था से होने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों की जानकारी भी मंत्री को दी।

मंत्री कश्यप ने कहा कि इस मांग पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को इसके व्यावहारिक, तकनीकी और राजस्व संबंधी सभी पहलुओं का परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा।

स्टेज कैरिज बसों के बीच समय-अंतराल निर्धारित करने के विषय पर भी बैठक में विस्तार से चर्चा हुई। फेडरेशन ने मुख्य मार्गों पर बसों के बीच 10 मिनट तथा ग्रामीण मार्गों पर 30 मिनट का अंतर निर्धारित करने का सुझाव दिया।

परिवहन मंत्री ने कहा कि बसों की समय-सारिणी ऐसी होनी चाहिए, जिससे यात्रियों को पर्याप्त परिवहन सुविधा मिले और बस संचालकों के बीच अनावश्यक प्रतिस्पर्धा की स्थिति भी उत्पन्न न हो। उन्होंने यात्रियों की सुविधा और बसों के सुव्यवस्थित संचालन को ध्यान में रखते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया।

परमिट सहित अधिकाधिक सेवाएं होंगी ऑनलाइन

विभागीय अधिकारियों ने बताया कि सभी बसों के लिए ऑनलाइन परमिट जारी किए जा रहे हैं। परिवहन मंत्री ने सहित सेवाओं को ऑनलाइन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परिवहन सेवाओं को सरल, पारदर्शी और सुविधाजनक बनाया जाए, ताकि बस संचालकों एवं आम नागरिकों को विभागीय कार्यों के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। ऑनलाइन व्यवस्था के माध्यम से आवेदनों के निराकरण की प्रक्रिया को भी अधिक प्रभावी और समयबद्ध बनाया जाए। परिवहन मंत्री ने बसों में सफर करने वाली महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। बस में पहली अथवा अंतिम सवारी महिला होने की स्थिति में वाहन की ऑनलाइन ट्रैकिंग की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। महिला यात्रियों के की सुरक्षा के लिए बस की स्थिति की निगरानी करने के लिए आवश्यक तकनीकी प्रणाली विकसित की जाए। बसों में कैमरे, व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस और अन्य आधुनिक सुरक्षा उपकरणों को सक्रिय रखने तथा उनकी नियमित निगरानी सुनिश्चित करने को कहा।

विभागीय तत्परता से सिंघनपुरी में तेंदुए का किया गया सुरक्षित रेस्क्यू

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वन मंडल कवर्धा के अंतर्गत ग्राम सिंघनपुरी में गुरुवार सुबह खेतों के बीच स्थित मार्ग के समीप तेंदुआ दिखाई देने की सूचना मिलते ही वन विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस विभाग के सहयोग से सफल एवं सुरक्षित रेस्क्यू अभियान संचालित किया।

वन मंडल अधिकारी निखिल अग्रवाल के मार्गदर्शन में उप वन मंडल अधिकारी कवर्धा, परिक्षेत्र अधिकारी कवर्धा एवं भोरमदेव अभयारण्य, थाना प्रभारी कवर्धा एवं राजानवागांव तथा वन एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुँची। टीम ने सबसे पहले ग्रामीणों को आवश्यक समझाइश देकर भीड़ को नियंत्रित किया और क्षेत्र की घेराबंदी कर मानव एवं वन्यप्राणी दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित की।

तेंदुए के सुरक्षित रेस्क्यू के लिए रायपुर से विशेषज्ञों एवं वन्यप्राणी चिकित्सकों की टीम को बुलाया गया। विशेषज्ञ दल के घटनास्थल पहुँचने के बाद परिस्थितियों का सावधानीपूर्वक आकलन किया गया और ट्रैंक्विलाइजर डार्ट की सहायता से तेंदुए का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया गया।

प्रारंभिक परीक्षण में तेंदुए की आयु लगभग 8 वर्ष आंकी गई है। वन्यप्राणी चिकित्सकों द्वारा उसका स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक उपचार किया गया। इसके बाद उसे आगामी उपचार एवं निगरानी के लिए भोरमदेव वन्यजीव अभयारण्य ले जाया गया है।

विभागीय मानकों पर पूर्णतः स्वस्थ पाए जाने पर उसे नियमानुसार सुरक्षित प्राकृतिक आवास में पुनः छोड़ा जाएगा।

वन विभाग ने इस सफल रेस्क्यू अभियान में ग्रामीणों के सहयोग की सराहना करते हुए नागरिकों से अपील की है कि वन्यप्राणी दिखाई देने पर उसके निकट न जाएँ, भीड़ एकत्रित न करें तथा तत्काल वन विभाग या पुलिस विभाग को सूचना दें। वन विभाग मानव-वन्यजीव सहअस्तित्व एवं वन्यजीव संरक्षण के प्रति निरंतर प्रतिबद्ध है।

सीएम व राज्यपाल ने सपरिवार देखा 'हनुमान अंश' छत्तीसगढ़ में फिल्म को टैक्स फ्री करने की घोषणा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जोरा मॉल के सिनेमाघर में सपरिवार फिल्म 'हनुमान अंश' देखी। इस अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह भी सपरिवार उपस्थित रहे। मंत्रिपरिषद के सदस्य तथा विभिन्न निगम-मंडल-आयोगों के अध्यक्षों ने भी फिल्म देखी।

फिल्म देखने के बाद मुख्यमंत्री श्री साय ने 'हनुमान अंश' को छत्तीसगढ़ में टैक्स फ्री करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक विरासत और संत परंपरा से समाज को परिचित कराने वाली ऐसी प्रेरणादायी फिल्में अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचनी चाहिए। फिल्म को टैक्स फ्री किए जाने से प्रदेश के अधिकाधिक दर्शकों, विशेषकर युवाओं को भारत की समृद्ध संत परंपरा और उसके जीवन मूल्यों को जानने का अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारत की संत परंपरा ने सदैव समाज को सत्य, सेवा, करुणा, प्रेम और आध्यात्मिकता का मार्ग दिखाया है। संतों ने अपने जीवन और आचरण के माध्यम से समाज को मानवता और लोककल्याण का संदेश दिया है। नीम करौली बाबा का जीवन भी इसी महान परंपरा का प्रेरणादायी उदाहरण है। उनका जीवन हमें यह सीख देता है कि मानव सेवा ही ईश्वर की सच्ची सेवा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नीम करौली बाबा ने अत्यंत सरल शब्दों और सहज जीवन के माध्यम से प्रेम, सेवा और भक्ति का संदेश दिया। उनके विचारों में मानवता और सभी के प्रति समान भाव सर्वोपरि रहा। उनका यह संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है और समाज को सकारात्मक दिशा देने की सामर्थ्य रखता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने फिल्म के निर्माताओं, निर्देशक, कलाकारों एवं पूरी टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सिनेमा केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज तक विचार, संस्कार और प्रेरणा पहुंचाने का भी प्रभावी माध्यम है। भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक विरासत और संत परंपरा पर आधारित सकारात्मक फिल्में नई पीढ़ी को अपनी जड़ों, परंपराओं और मानवीय मूल्यों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक शक्ति उसकी हजारों वर्षों पुरानी परंपराओं और जीवन मूल्यों में निहित है। सेवा, करुणा, सद्भाव और मानव कल्याण जैसे मूल्यों को आगे बढ़ाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। 'हनुमान अंश' जैसी फिल्में इन मूल्यों को सरल और प्रभावी रूप में समाज तक पहुंचाने का सराहनीय प्रयास हैं।

उल्लेखनीय है कि फिल्म 'हनुमान अंश' नीम करौली बाबा के जीवन, आध्यात्मिक यात्रा और उनके सेवा एवं भक्ति के संदेश पर आधारित है।

इस अवसर पर मंत्रिपरिषद के सदस्य, विभिन्न निगम-मंडल-आयोगों के अध्यक्षगण सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

चिल्फी में 51 लाख की लागत से बनेगा स्टेडियम

कवर्धा। जिले के वनांचल क्षेत्र ग्राम चिल्फी में ग्रामीण एवं युवा प्रतिभाओं को खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में पहल की गई है। ग्राम चिल्फी में लगभग 51 लाख रुपए की लागत से मिनी स्टेडियम का निर्माण किया गया है। मिनी स्टेडियम के निर्माण से क्षेत्र के बच्चों एवं युवाओं को खेल अभ्यास और विभिन्न खेल गतिविधियों के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग कवर्धा के कार्यपालन अभियंता सरेन्द्र पटेल ने बताया कि मिनी स्टेडियम भाग-01 चिल्फी के लिए 18 जुलाई 2024 को 31.61 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हुई थी। इसके अंतर्गत पवेलियन एवं बाउंड्रीवाल निर्माण का कार्य शामिल था। स्वीकृत कार्य के अनुसार पवेलियन एवं बाउंड्रीवाल का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। मिनी स्टेडियम चिल्फी भाग-02 के अंतर्गत बाउंड्रीबंड एवं मैदान समतलीकरण के लिए मनरेगा मद से 19.63 लाख रुपए की स्वीकृति प्राप्त हुई। मैदान के समतलीकरण कार्य के लिए मनरेगा मद से 8.57 लाख रुपए की स्वीकृति प्राप्त हुई है।

रंग परब के दूसरे दिन लगे ठहाके मीरा की भक्ति ने किया भावविभोर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। संस्कृति विभाग द्वारा मुक्ताकाशी मंच, महंत घासीदास संग्रहालय परिसर, सिविल लाइंस, घड़ी चौक रायपुर में आयोजित तीन दिवसीय 'रंग परब' नाट्य श्रृंखला के दूसरे दिन रंगमंच की विविध शैलियों का प्रभावशाली संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में दो अलग-अलग रंग प्रस्तुतियों ने दर्शकों को कभी हास्य और मनोरंजन से सराबोर किया तो कभी भक्ति, संवेदना और भावनाओं की गहराइयों तक पहुंचाया। कलाकारों के सशक्त अभिनय और मंचीय प्रस्तुति ने दर्शकों को अंत तक बांधे रखा।

नाट्य श्रृंखला के दूसरे दिन रंग तरंग भिलाई की ओर से भारत भूषण परगनिहा के निर्देशन में छत्तीसगढ़ी हास्य नाटिका 'कोन चीज के डायरेक्टर होही' का मंचन किया गया। छत्तीसगढ़ी लोकभाषा की सहजता, संवादों की चुटीली शैली और कलाकारों के जीवंत अभिनय ने प्रस्तुति को खास बना दिया।

हास्य से भरपूर प्रसंगों ने दर्शकों को खूब गुदगुदाया और पूरे मुक्ताकाशी मंच पर कई बार ठहाके गूंजते रहे। कलाकारों की संवाद अदायगी और मंच पर उनकी सहज उपस्थिति को दर्शकों ने जमकर सराहा।

दूसरी प्रस्तुति के रूप में श्री आर्ट संस्था, लाखेनगर की ओर से श्रीमती ममता आहार श्रिया ने 'मीरा' विषय पर एकल अभिनय प्रस्तुत किया। सीमित मंचीय संसाधनों के बीच एकल कलाकार ने अपने प्रभावशाली अभिनय, संवाद, भाव-भंगिमाओं और भक्ति गीतों के माध्यम से मीरा के व्यक्तित्व और उनके कृष्ण के प्रति अटूट समर्पण को जीवंत कर दिया।

प्रस्तुति में मीरा के जीवन के भावनात्मक संघर्ष, सामाजिक परिस्थितियों और उनकी अडिग भक्ति को संवेदनशीलता के साथ सामने रखा गया। मीरा के विषपान का दृश्य विशेष रूप से मार्मिक रहा। कलाकार की भावपूर्ण अभिव्यक्ति ने इस प्रसंग को इतना प्रभावशाली बना दिया कि दर्शक भावविभोर हो उठे। इस दौरान मुक्ताकाशी मंच का वातावरण भक्ति और आध्यात्मिक अनुभूति से भर गया।

इस अवसर पर संस्कृति एवं पुरातत्व संचालक डॉ. संजय कनौजे ने कहा कि नाटक केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज का जीवंत दर्पण है। यह हमारी संवेदनाओं, संघर्षों और सामाजिक सरोकारों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करता है। रंगमंच के माध्यम से कलाकार दर्शकों को सोचने, समझने और सकारात्मक बदलाव के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि नाटक हमारी संस्कृति, परंपरा और मानवीय मूल्यों को समृद्ध करने के साथ ही समाज में संवाद और संवेदनशीलता का वातावरण तैयार करने का सशक्त माध्यम है।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के कवि मीर अली मीर, वरिष्ठ पत्रकार एवं छायाकार दीपेंद्र दीवान, साहित्यकार विजय मिश्रा, उदयभान चौहान, साहित्यकार अरविंद मिश्ररूप सहित संस्कृति विभाग के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

'रंग परब' नाट्य श्रृंखला के माध्यम से छत्तीसगढ़ की लोकभाषा, साहित्य, संस्कृति और रंगमंचीय परंपराओं को व्यापक मंच प्रदान किया जा रहा है। श्रृंखला में अलग-अलग रंग शैलियों और विषयों पर आधारित नाटकों के माध्यम से प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शकों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

स्थानीय कलाकारों और रंग संस्थाओं को मंच मिलने के साथ ही दर्शकों को भी विविध रंग प्रस्तुतियों से रूबरू होने का अवसर मिल रहा है। दूसरे दिन की प्रस्तुतियों को मिली उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया ने इस आयोजन की सार्थकता को और मजबूत किया।

घायल मवेशियों की देखरेख के कबीरधाम में युद्धस्तर पर तैयारी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने कबीरधाम जिला कार्यालय के सभाकक्ष में गौ सेवकों एवं संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में सड़क पर विचरण करने वाले पशुओं, बीमार एवं घायल पशुओं के रेस्क्यु, उपचार तथा उनके लिए व्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराने के संबंध में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने गौ सेवकों से उनके कार्य के दौरान आने वाली समस्याओं की जानकारी ली और पशुओं के बेहतर संरक्षण एवं उपचार के लिए आवश्यक सुझाव भी लिए।

बैठक में गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष विशेषर पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, कलेक्टर तुलिका प्रजापति, पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक अग्रवाल, अपर कलेक्टर नरेन्द्र पैकरा, गौ सेवक नीलेश सोनी, संस्कार दुबे, तरूण साहू, अंकुश विश्वकर्मा, अनमोल ठाकुर, वैदिक मिश्रा, नीरज ठाकुर, अमित चंद्रवंशी, जनप्रतिनिधि, गौ सेवक मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि गौ सेवक दिन-रात बीमार और घायल पशुओं की सेवा में जुटे रहते हैं। वे पूरी मेहनत, लगन और सेवाभाव के साथ सड़क पर घायल अवस्था में मिले पशुओं का रेस्क्यु कर उन्हें उपचार के लिए पशु चिकित्सालय तक पहुंचाते हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि गौ सेवक जब भी किसी सेवा कार्य अथवा घायल पशु के रेस्क्यु के संबंधितकार्य हेतु संपर्क व्यवस्था को दुरुस्त किया जाय।

श्री शर्मा ने पशु रेस्क्यु वाहन को 24 घंटे संचालित करने निर्देश दिए ताकि सड़क दुर्घटना में घायल अथवा बीमार पशुओं की सूचना मिलने पर तत्काल रेस्क्यु टीम मौके पर पहुंच सके।

बैठक में स्वर्ण जयंती परिसर का निरीक्षण कर वहां पशु चिकित्सालय को शिफ्ट करने की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। उप मुख्यमंत्री ने गौ सेवकों, अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से कहा कि परिसर का निरीक्षण कर पशु चिकित्सालय को वहां स्थानांतरित करने के लिए आवश्यक कार्यों की जानकारी उपलब्ध कराएं। बड़े और व्यवस्थित स्थान पर पशुओं के उपचार, देखभाल एवं विश्राम के लिए बेहतर व्यवस्था विकसित की जा सकती है। ऐसी व्यवस्था तैयार की जाए, जहां बीमार एवं घायल पशुओं को उपचार के साथ सुरक्षित स्थान, पर्याप्त खुला क्षेत्र तथा आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने आसपास के गांवों के किसानों से संपर्क कर अधिक से अधिक पैरादान कराने के लिए प्रेरित करने कहा। पैरा को जलाने के बजाय गौवंश के लिए दान किया जाए, इससे पशुओं के लिए चारे की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950